डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 13 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

हिलव्यू समाचार द्वारा 21 अक्टूबर का दीपावली विशेषांक प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें आप अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन, अपनी जीवन यात्रा के अनुभव एवं इंटरव्यू दे सकते हैं। रचनाएँ भी आमंत्रित हैं। विज्ञापन के लिए अंतिम तिथि 20 अक्टूबर व रचनाओं के लिए 18 अक्टूबर है।

जयपुर, बुधवार, 21 सितम्बर 2022

hillviewsamachar@gmail.com

512 नई इंदिरा रसोइयों का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया शुभारम्भ और बोले...

8 रुपए में भरपेट भोजन के साथ सम्मान भी परोसें

मुख्यमंत्री गहलोत ने जोशी, डोटासरा के साथ खाया खाना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में रविवार से 870 इंदिरा रसोइयों के जरिए आम व्यक्ति को आठ रुपए में भरपेट खाना परोसा जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर से प्रदेश भर से 512 नई रसोइयों का शुभारंभ वर्चुअली किया। गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के साथ रसोई में खाना खाया व संचालकों को खाने के साथ सम्मान भी परोसने की नसीहत दी। गहलोत ने कहा कि 'कोई भूखा ना सोए' के संकल्प को साकार करने की दिशा में इंदिरा रसोई एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंदों को आरामदेह वातावरण में मात्र 8 रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ विद्यार्थियों एवं श्रमिकों सहित सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में स्व. इंदिरा गांधी ने सबसे पहले गरीबों, पिछड़ों एवं वंचितों के कल्याण के लिए 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया।

कोरोना काल में 72 लाख को उपलब्ध कराया भोजन

सीएम ने कहा कि इस योजना के माध्यम से कोरोना काल में 72 लाख लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। कोरोना काल में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए निःशुल्क भोजन की भी व्यवस्था की गई। कोरोना के दौर में राज्य सरकार के प्रयासों के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाओं ने सेवा की भावना के साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध करवाने में आगे बढ़कर सहयोग किया, वह सराहनीय है। प्रदेश में वंचित तबके के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही इस योजना के लिए आर्थिक रूप से किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

जल्द ही प्रदेश में 1000 हो जाएंगी रसोइयों की संख्या

गहलोत ने कहा कि महंगाई के इस दौर में न्यूनतम दर पर अच्छा भोजन उपलब्ध होने से आमजन की जेब पर भार कम हुआ है। सरकार इस योजना में 17 रुपए प्रति थाली अनुदान दे रही है। उन्होंने कहा कि अब तक 358 इंदिरा रसोइयों से 7 करोड़ से ज्यादा पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन की थालियां आमजन को परोसी जा चुकी हैं। 512 नई रसोइयों की स्थापना से इस संख्या को लगभग 14 करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जल्द ही और रसोइयां शुरू कर बजट घोषणा के अनुसार इंदिरा रसोइयों की संख्या 1000 की जाएगी।

ख़बर बेख़बर

जेडीए का प्रवर्तन विभाग जवाब दे

जगतपुरा ज़ोन 10 की सरकारी ज़मीन पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण के चलते इमारत को जेडीए द्वारा सील किया गया था अब उसमें शोरूम चल रहे हैं?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन 10 की व्यास कालोनी में प्लाट संख्या 9/1,2,3,4,जगतपुरा रोड,जगतपुरा, जयपुर की इमारत का सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा व अवैध निर्माण लगातार मीडिया में प्रकाशित हुआ और जेडीए ने अवैध निर्माण और सरकारी जमीन पर निर्माण बता कर साल भर तक सील भी किया था लेकिन अब यहाँ शोरूम खुल गये हैं।क्या अब यह अवैध निर्माण वैध हो गए हैं या अब यह सरकारी ज़मीन नहीं रही?

क्यों इस निर्माण को सील किया था और फिर क्यों सील खोल दी यह वे यक्ष प्रश्न है जिसका जवाब जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन शाखा के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी ही दे सकते हैं। लेकिन वो तो जवाब देते ही नहीं?

मीडिया से अभद्रता करना,बदतमीजी करना उनके शुमार में शामिल है। आख़िर इतना साहस कहाँ से मिल रहा है प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को ? शहर में लगातार अतिक्रमण अवैध निर्माण नाक के नीचे हो रहे हैं और सैनी चैन से सोए हैं। मूक स्वीकृति का क्या कारण है सर्वविदित है। लगातार एक ही विभाग में एक ही मलाईदार पद पर टिके सैनी के सम्बन्ध लोगों से अच्छे बन गए हैं ऐसे में उन्हें नुक़सान देना या नियंत्रित करना उनके वश में नहीं रहा। सभी बिल्डर्स से अपने मज़बूत सम्बन्ध सरकारी सेवा से ज्यादा महत्वपूर्ण है सैनी के लिए फिर इसके लिए जेडीए को चाहे राजस्व की हानि हो तो क्या हर्ज है?

सरकार की सख़्ती अब हैरिटेज की रोज़ाना होगी निगरानी अवैध निर्माण व हैरिटेज स्वरूप बिगाड़ा तो लगेगी सील

आख़िर नाना जी की हवेली जयपुर कॉलेज के अवैध निर्माण पर कब होगी कड़ी कार्यवाही, कब होगी हवेली सील बन्द ?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर कॉलेज नाना जी की हवेली, गोपाल जी का रास्ता,चौड़ा रास्ता के मुख्य मार्ग पर नीली चादर में लिपटी हवेली पाँच मंज़िला अवैध रूप से बन गयी है। लगातार 10 माह से हिलव्यू समाचार द्वारा शासन और प्रशासन को इस अवैध निर्माण के लिए चेताया गया है और तो और यह बिना किशनपोल जोन हेरिटेज नगर निगम की अनुमति के बनने वाली जयपुर कॉलेज की बिल्डिंग देखते ही देखते पाँच मंज़िला बन गयी। पहले दिन छुपे काम होता था अब दिन दहाड़े हो रहा है वह भी अवैध पुनर्निर्माण।

हिलव्यू समाचार की टीम द्वारा किशनपोल जोन उपायुक्त राकेश मीणा के संज्ञान में मामला लाया जा चुका है लेकिन अब तक कोई कार्यवाही किशनपोल जोन द्वारा नहीं की गई है। हेरीटेज नगर निगम मुख्यालय में आयुक्त और मेयर दोनों को भी इस अवैध निर्माण से अवगत करवाया गया लेकिन ढाक के तीन पात ही परिणाम रहे।।स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारिवाल के संज्ञान में मामला लाया जा चुका लेकिन उन्होंने इसे टाल दिया। मुख्यमंत्री महोदय के ओएसडी देवाराम सैनी के संज्ञान में भी यह मामला है। कुल मिलाकर सरकार और प्रशासन के संज्ञान में पूरा मामला है। आख़िर ऊपर से लेकर नीचे तक जयपुर कॉलेज नाना जी की हवेली पर सारा महक़मा ख़ामोश और निष्क्रिय क्यों है?

फिर यह अवैध निर्माणों पर शिकंजा कसने की नाटकीयता क्यों कर रहा है नगर निगम हेरिटेज?

स्मरण रहे कि--

गत सप्ताह निगम हेरिटेज की बैठक में निर्णय लिए गए हैं कि परकोटे के साथ हैरिटेज नगर निगम क्षेत्र में हैरिटेज के स्वरूप के साथ छेड़छाड़ करने और अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई होगी। निगम अधिकारी हैरिटेज स्वरूप को बिगाड़ने वालों पर अब नजर रखेंगे। अवैध निर्माण व हैरिटेज स्वरूप के साथ छेड़छाड़ करने वालों के निर्माण अब सीज किए जाएंगे। इसके लिए निगम आयुक्त विश्राम मीणा ने आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं सतर्कता शाखा की ओर से हैरिटेज क्षेत्र में चिन्हित 53 अवैध निर्माणों पर कार्रवाई शुरू की गई है।रोजाना सभी जोन उपायुक्त कोई अवैध निर्माण नहीं होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करेंगे। इसमें जोन उपायुक्त को लिखकर देना होगा कि उनके जोन के हैरिटेज क्षेत्र में कोई अवैध निर्माण कार्य नहीं हो रहा। परकोटे क्षेत्र में सतर्कता दस्ता प्रतिदिन चोकड़ियों में दो-तीन बार दौरा करेगा, अगर कही भी अवैध निर्माण पाया गया तो संबंधित जोन उपायुक्त को सूचित किया जाएगा। इसके अलावा उपायुक्त सतर्कता जिस जोन में कोई अवैध निर्माण या हैरिटेज रूवरूप से छेड़छाड़ मिलता पाया गया तो उसकी रिपोर्ट संबंधित जोन उपायुक्त को सौंपेगा। इसके बाद संबंधित जोन उपायुक्त अवैध निर्माण के विरूद्ध तत्काल सीज की कार्रवाई करेगा।

लव्या शर्मा हत्या या आत्महत्या अब तक स्पष्ट नहीं?

करधनी थाना जयपुर क्यों बरत रहा है ढिलाई लव्या शर्मा केस में?

14 वर्षीय लव्या शर्मा ने किन कारणों से ख़ुदकुशी की यह सामने आना अभी शेष है

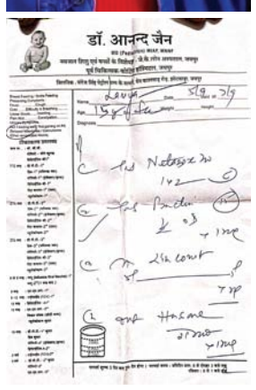

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 14 वर्षीय लव्या शर्मा ने 7 सितम्बर शाम 5.30 से 6.30 के बीच घर पर पंखे से झूलकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। इसके बाद परिवार अवसाद में है और इस मासूम मौत के तार बेहद उलझकर और पेचीदा हो गए हैं।

हिलव्यू समाचार की टीम अपने स्तर पर विद्यालय और सम्बंधित थाना करधनी में मामले की जाँच पड़ताल कर रहा है और इस मामले की तह तक जाने का पूरा प्रयास अब भी जारी है।

जाँच के तथ्यों के आधार पर कुछ गम्भीर प्रश्न करधनी थाने के लिए बनते हैं

- परिवार जन से ही ताला लेकर और लगाकर ,लव्या के कमरे को बिना सील किये क्यों चली गयी पुलिस आत्महत्या वाली शाम?
- करधनी थाना अधिकारी बनवारी लाल मीणा प्रारम्भ से ही लव्या केस में एक तरफा होते नज़र आ रहे हैं। केस को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। एफआईआर दर्ज करने में भी लापरवाही बरती गई?
- जाँच अधिकारी चमनलाल इस केस की छानबीन कर रहे हैं। विद्यालय से सामान्य पूछताछ के पश्चात रेजिडेंसी हायर सेकेंडरी स्कूल गोकुलपुरा पर परिवार जन द्वारा लगाए गए आरोपों को जाँच अधिकारी ने बिना गहरी छानबीन के निराधार बता दिया है,क्यों?
- कछुए की गति से करधनी थाना इस केस में काम क्यों कर रहा है?
- लव्या शर्मा के घर में रहने वाले दम्पत्ति किरायेदार जो कि आत्महत्या के दूसरे दिन यानी 08 सितम्बर से ग़ायब हैं उन्हें पुलिस ने अब तक तलब क्यों नहीं किया?
- करधनी थाना पुलिस प्रारम्भ से इस फ़िराक़ में क्यों है कि इसे सामान्य आत्महत्या का केस मान फाइल बन्द कर दी जाए?
- लव्या शर्मा की माँ, भाई व उनके दंपत्ति किरायेदार से अब तक गंभीरता पूर्वक बयान क्यों नहीं लिए गए हैं?
- लव्या के घर में ऊपर जो ये दम्पत्ति किरायेदार थे उसमें से महिला किरायेदार लव्या को रोज़ 5.30 से 7 बजे तक कम्पनी देती थी फिर अचानक 07 सितंबर को उसी वक़्त घर से बाहर क्यों गयी जब घर में लव्या अकेली थी और वो भी तब जब लव्या ने आत्महत्या की?
- ये महिला किरायेदार जो लव्या के लगातार संपर्क में रहती थी वो उस दिन लव्या से मिलकर क्यों नहीं निकली बाहर उससे बोलकर क्यों नहीं गयी?
- लव्या उस दम्पत्ति किराएदार के साथ विद्यालय के बाद घण्टों गुज़ारती थी और उसका मोबाइल फोन प्रयोग में लेती थी उसकी जाँच क्यों नहीं कर रहे जाँच अधिकारी चमनलाल?
- लव्या के पुराने घर में भी यही दम्पत्ति किरायेदार साथ रहा करते थे और गोकुलपुरा शिफ्ट होने पर वो भी लव्या के परिवार के साथ यहीं शिफ्ट हो गए थे,क्यों?
- थाना अधिकारी बनवारीलाल मीणा और जाँच अधिकारी चमनलाल का रवैया इस मामले में ढीला व संदिग्ध क्यों दिखाई पड़ता है?
- आख़िर जाँच में गंभीरता के साथ लव्या केस से जुड़े व सम्बंधित लोगों से कड़ी पूछताछ क्यों नहीं कर रहे जाँच अधिकारी चमनलाल?
- सड़क का दरवाज़ा खुले होने का अब तक कोई साक्ष्य नहीं जुटा पाए जाँच अधिकारी?
- लव्या ने गले में जिस दुपट्टे से फाँसी लगाई उसकी रिपोर्ट क्यों नहीं बनाई गई?
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट परिवार जन तक क्यों नहीं पहुँची अब तक?
- लव्या के कमरे की ख़ुदकुशी वाले दिन ही छानबीन क्यों नहीं की गई?
- लव्या के कमरे से पुलिस ने सबूत क्यों नहीं जुटाए और उन्हें अपनी कस्टडी में क्यों नहीं लिया?

विद्यालय और परिवारजन से प्रश्न

- विद्यालय प्रबंधन और लव्या की माँ और भाई विश्वास के बीच बार-बार मीटिंग क्यों होती थी?
- लव्या अस्थमा की मरीज़ भी थी उसे गर्मी सहन नहीं होती थी यह बात विद्यालय और परिवार दोनों जानते थे।
- लव्या शर्मा कई दिनों से विद्यालय न जाने की बात क्यों कहती थी माँ से?
- लव्या शर्मा एक अध्यापिका के व्यवहार से डरी हुई क्यों रहती थी?
- लव्या स्कूल जाने के नाम पर डरती क्यूँ थी?
- 07 सितम्बर को लव्या ने विद्यालय में खाना क्यों नहीं खाया?
- माँ के अनुसार 04 सितम्बर को एक्सट्रा क्लास के बाद व दसवीं के फॉर्म भरने के बाद लव्या विद्यालय में अकेली रह गयी थी और उसके बाद वो डरी हुई थी, क्यों?
- 04 सितंबर को स्कूल से लौटने के बाद लव्या शर्मा अवसाद में क्यों थी?माँ ने बताया कि उसे बुखार भी आया था उस रात 05 सितम्बर को उसे डॉ को दिखाया गया जिसकी पर्ची मौजूद है।
- लव्या अपनी मित्रों से चैटिंग,इंस्टाग्राम पर क्या बातें करती थी?
- लव्या अपनी माँ से कई बातें शेयर करती रही थी आख़िर लव्या की माँ ने कोई भी बात को गम्भीरता से कभी क्यों नहीं लिया?
- किरायेदार दंपत्ति से लव्या के परिवार के कैसे सम्बन्ध थे?

SHO बनवारी लाल मीणा

कई तथ्य हैं जिनकी गुत्थी बहुत ज़्यादा ही उलझी है और इसे सुलझाना पुलिस के लिए बेहद ज़रूरी है। 14 वर्ष की मासूम लव्या की मौत की वजह तलाशना अभी शेष है। यह आत्महत्या है या हत्या इस पर जाना शीघ्रता होगी। करधनी थाना अधिकारी बनवारी लाल मीणा व जाँच अधिकारी चमनलाल गंभीरता से इस केस की जांच करेंगे तो सच सामने अवश्य आएगा।

प्रदेश के पहली हस्तशिल्प और एमएसएमई नीति-2022 जारी

दस्तकार-शिल्पकारों को मिलेगा रोजगार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य में छोटे उद्योगों व प्राचीनकाल से चले आ रहे हस्तशिल्प व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को पहली हस्तशिल्प नीति और राजस्थान एमएसएमई नीति-2022 जारी की गई। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि नई नीति से प्रदेश में औद्योगिक विकास होगा, बल्कि शिल्पकार, दस्तकार और कारीगरों के रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। दोनों नीति प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी।

शनिवार को एमएसएमई दिवस के मौके पर यहां आयोजित उद्योग रत्न एवं निर्यात पुरस्कार समारोह में रावत ने निर्यात संवर्धन के प्रोत्साहन के लिए 29 निर्यातकों को निर्यात प्रोत्साहन अवॉर्ड और विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए 13 उद्यमियों को उद्योग रत्न अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा इन्वेस्ट राजस्थान समिट में शेष रहे 29 से उद्यमियों के साथ भी 14 हजार करोड़ के निवेश एमओयू का भी आदान-प्रदान हुआ। वाणिज्य मंत्री ने इस अवसर पर राजस्थान की हस्तकलाओं पर तैयार की गई कॉफी टेबल बुक 'राजस्थानी कारीगरी' का विमोचन भी किया।

रावत ने कहा कि हस्तशिल्प नीति से दस्तकारों को लाभ होगा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में आगामी 5 वर्षों में 50 हजार से अधिक नए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और राजसिको चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने बताया कि प्रदेश सरकार की सुगम नीतियों के चलते पिछले 3 वर्षों में प्रदेश में निर्यात का प्रतिशत 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। प्रदेश में सोलर, विंड और रिन्यूएबल एनर्जी में नए कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इनलैंड कंटेनर डिपो बनाए जा रहे हैं और उदयपुर में एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए भी विमानन मंत्रालय ने अनुमति दे दी है।

सवालों के बीच गुजरती भारत जोड़ो यात्रा

सम्पादकीय

कन्याकुमारी, तमिलनाडु से शुरू हुई कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' फिलहाल केरल में है। वाम दलों द्वारा शासित इस राज्य में यह यात्रा करीब 18 दिन रहेगी। ज्ञात हो कि केरल की वायनाड लोकसभा क्षेत्र से राहुल गांधी सांसद हैं। 20 लोकसभा सीटों वाले केरल की राष्ट्रीय राजनीति में वैसी अहमियत नहीं, जैसी कहीं अधिक सीटों वाले उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल आदि की है। यह यात्रा चुनाव वाले राज्यों हिमाचल और गुजरात से भी नहीं गुजर रही है।

अब यह कहा जा रहा है कि यह यात्रा पूरी हो जाने के बाद उसका दूसरा चरण गुजरात से शुरू होगा। इसका अर्थ है कि यह काम करीब पांच माह बाद होगा। भारत जोड़ो यात्रा केरल में तो 18 दिन रहेगी, लेकिन 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में चार-पांच दिन। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं और सबसे पहला सवाल केरल सरकार का नेतृत्व कर रही माकपा ने उठाया। उसने इसे सीट जोड़ो यात्रा करार दिया, जिसके जवाब में कांग्रेस ने उसे भाजपा की बी टीम बता दिया। ध्यान रहे कि माकपा के साथ मिलकर कांग्रेस ने बंगाल में विधानसभा चुनाव लड़ा था।

एक समय उत्तर प्रदेश कांग्रेस का गढ़ था। नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी यहीं से

इसके जरिये कोई नया विमर्श नहीं खड़ा कर पा रहे हैं राहुल गांधी

चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बने, लेकिन लगता है कि कांग्रेस इस राज्य में अपने लिए कोई उम्मीद नहीं देख रही है। भारत जोड़ो यात्रा का उत्तर प्रदेश में केवल चार-पांच दिन का सफर कांग्रेसजनों के लिए भी आश्चर्य का विषय है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश की मानें तो इस यात्रा का उद्देश्य पार्टी को मजबूती देना है, न कि विपक्षी एकता को बल देना, लेकिन वह इसकी अनदेखी कर रहे हैं कि कांग्रेस अपने बूते कितनी भी मजबूती पा ले, बिना गठबंधन वह कोई छाप नहीं छोड़ पाएगी।

जयराम रमेश का यह भी मानना है कि यदि कांग्रेस मजबूत होगी तो विपक्षी दल खुद उसके साथ आ जाएंगे, पर यह भी उनकी एक भूल ही है, क्योंकि अधिकांश भाजपा विरोधी दल उसकी कमजोरी का लाभ उठाकर उसके ही वोट बैंक में सेंध लगा रहे हैं। कांग्रेस इसीलिए कमजोर हुई, क्योंकि वह क्षेत्रीय दलों को साथ लेने के फेर में अपनी राजनीतिक जमीन उनके लिए छोड़ती गई। कांग्रेस भले ही यह कहे कि इस यात्रा का उद्देश्य पार्टी को मजबूती देना है, लेकिन लगता यही है कि इसका मकसद राहुल गांधी का कद बढ़ाना है।

भारत जोड़ो यात्रा को शुरू हुए अभी दस दिन ही हुए हैं, लेकिन वह कई विवादों से दो-चार हो चुकी है। एक विवाद नफरती बयान देने वाले पादरी से राहुल की मुलाकात से उभरा और दूसरा कांग्रेस की ओर से आरएसएस के गणवेश को आग लगाते हुए ट्वीट से। इस ट्वीट से यही स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस भारत जोड़ने के नाम पर आरएसएस और भाजपा पर निशाना साधना चाहती है।

यदि कांग्रेस का उद्देश्य वास्तव में भारत को जोड़ना है, तो फिर वह अपने आचार-व्यवहार के माध्यम से आरएसएस-भाजपा की विचारधारा से प्रभावित लोगों को आकर्षित करने का काम क्यों नहीं करती? यदि भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य सचमुच लोगों से जुड़ना है तो फिर विरोधी दलों पर अनावश्यक टीका-टिप्पणी करने का क्या मतलब? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस यात्रा में राहुल गांधी वही सब बयान दोहरा रहे हैं, जो वह बीते तीन-चार साल से कहते चले आ रहे हैं। इसका अर्थ है कि वह आम जनता के समक्ष कोई नया विचार रखने में सक्षम नहीं हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के बीच ही गोवा के आठ कांग्रेस विधायक जिस तरह टूट कर भाजपा में चले गए, उससे कांग्रेस को झटका तो लगा ही, यह भी प्रकट हुआ कि ये विधायक पार्टी में अपना कोई भविष्य नहीं देख रहे थे। जब विधायकों का यह हाल है तो कार्यकर्ताओं के मनोबल का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। कांग्रेस में ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो यह मान रहे हैं कि चाटुकार नेता गांधी परिवार का गुणगान कर अपना हित साधने में लगे हुए हैं। उनके पास ऐसी कोई रणनीति नहीं कि देश को आगे कैसे ले जाया जाए और जनता के सामने क्या ठोस विकल्प पेश किया जाए? उसके इस खोखले सोच के कारण ही इस समय जदयू, टीआरएस, तृणमूल कांग्रेस आदि अपने-अपने हिसाब से विपक्षी एका की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव नहीं, लेकिन ममता बनर्जी और केसीआर उसे साथ लिए बिना विपक्ष को एकजुट करना चाहते हैं। ये नेता यह भूल रहे हैं कि कांग्रेस के पास आज भी कहीं अधिक वोट हैं और उसे केंद्र में शासन करने का अनुभव भी है। इस सबके बावजूद कांग्रेस जिस तरह गांधी परिवार को ही अपना उद्धारक बताने में समय जाया कर रही है, वह उसकी मुश्किलों को बढ़ा रहा है।

कांग्रेस की मुश्किलें इसलिए भी बढ़ रही हैं, क्योंकि सोनिया गांधी हों या राहुल, उनका एकमात्र लक्ष्य हर विषय पर प्रधानमंत्री को कोसना और उन्हें नीचा दिखाना है। राहुल यही काम भारत जोड़ो यात्रा के जरिये कर रहे हैं। उनके बयान उनकी नकारात्मक राजनीति को ही रेखांकित कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा यह भी बता रही है कि राहुल उन राज्यों से बचना चाहते हैं, जहां भाजपा राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सशक्त है।

भाजपा विरोधी दलों के नेता जिस तरह अपने-अपने तरीके से विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं, उससे यही स्पष्ट होता है कि उनका लक्ष्य प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करना है। मुश्किल यह है कि इनमें से किसी नेता का अपने राज्य के बाहर कोई प्रभाव नहीं। इन दलों के मुकाबले कांग्रेस का प्रभाव कहीं अधिक है, लेकिन वह अपनी खोखली राजनीति के कारण न तो अपनी छवि सुधार पा रही है और न ही देश की जनता का ध्यान अपनी ओर खींच पा रही है।

भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने के बाद भी कांग्रेस किस तरह विचारशून्यता और दिशाहीनता से ग्रस्त है, इसका संकेत इससे मिलता है कि उसके नेता और खासकर राहुल गांधी कोई नया विमर्श नहीं खड़ा कर पा रहे हैं। कांग्रेस की एक अन्य समस्या यह भी है कि वह वामपंथी और समाजवादी सोच से बाहर निकलने के बजाय उससे और अधिक ग्रस्त होती जा रही है।

ठंड के मौसम में पैनिक अटैक का ख़तरा

पैनिक अटैक का एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन. सर्दियों में डिप्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं. इसका कारण यह है कि सर्दियों में, अत्यधिक ठंड पड़ने पर आमतौर पर एक बड़ी संख्या में लोग आउटडोर गतिविधियां, जैसे एक्सरसाइज करना या टहलना कम कर देते हैं. लोग देर तक सोते रहते हैं, इस कारण उनका मन-मस्तिष्क अन्य ऋतुओं की तुलना में उतना सक्रिय नहीं होता, जितना उसे होना चाहिए. साथ ही सर्दियों में कई दिनों तक मौसम के खराब रहने से अनेक लोगों की कई महत्वपूर्ण योजनाएं स्थगित हो सकती हैं. ऐसी स्थिति में जो अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, उनके मन में सकारात्मक कम और नकारात्मक विचार ज्यादा आते हैं, जिससे कुछ लोगों में पैनिक अटैक की आशंका बढ़ सकती है.

जब आए पैनिक अटैक

आपके साथ के किसी व्यक्ति को पैनिक अटैक हुआ है, तो उसे सांत्वना दें और उसकी बात को काटें नहीं. उस व्यक्ति को गहरी सांसें लेने व छोड़ने के लिए कहें. अगर ऐसा आपके साथ हुआ है और आप अकेले हैं, तो सबसे पहले किसी सुरक्षित जगह पर ठहर जाएं. शांतचित्त होकर गहरी सांसें लें. नींबू की शिकंजी, कॉफी या ओआरएस लेना बेहतर रहता है. 10-15 मिनट बाद भी हालत नहीं सुधर रही है तो शीघ्र डॉक्टर के पास जाएं.

लक्षण

- दिल की धड़कन बढ़ना
- घबराहट होना
- सांस लेने में तकलीफ होना
- बीपी बढ़ना
- पसीना आना व शरीर में कंपन होना
- सिर दर्द और बदन दर्द
- शरीर में ठंडी या गर्म लहर महसूस होना
- चक्कर आना
- उल्टी, गैस या एसिडिटी पैदा होना
- मुंह सूखना, जिसके कारण बार-बार पानी पीना
- यह सोचना कि मुझे बड़ी बीमारी हुई है
- पैर लड़खड़ाना
- रोंगटे खड़े होना
- मृत्यु निकट महसूस होना आदि.

ऐसे लक्षण होने पर डॉक्टर से मिलना चाहिए.

पैनिक और हार्ट अटैक में अंतर

पैनिक अटैक और हार्ट अटैक के लक्षण काफी हद तक मिलते-जुलते हैं. जैसे, सीने में हल्का दर्द होना, हाथ और पैर में कंपन होना, हाई ब्लड प्रेशर होना, घबराहट महसूस करना, पसीना आना आदि. हार्ट अटैक का खतरा उनमें ज्यादा होता है, जिन्हें हाई बीपी या हृदय से जुड़ी समस्याएं होती हैं. पर, पैनिक अटैक का शिकार हृदय रोगियों समेत बड़े और बच्चे कोई भी हो सकते हैं. डॉक्टर शारीरिक लक्षणों और ईसीजी आदि विभिन्न जांच से पुष्टि करते हैं कि पैनिक अटैक हुआ था या फिर एंजाइना, या हार्ट अटैक या अन्य कोई हृदय रोग. पैनिक अटैक में हृदय रोगों का होना जरूरी नहीं है.

अवधि

आमतौर पर पैनिक अटैक का तीव्र प्रकोप 15 से 30 मिनट तक जारी रह सकता है. हल्के लक्षण एक घंटे तक भी रह सकते हैं. एक बार पैनिक अटैक हो जाने का डर अगले अटैक का कारण बन सकता है. आमतौर पर एक घंटे में लक्षण दूर हो जाते हैं, पर डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए.

ऐसे लोग रहें ज्यादा सतर्क

- उच्च रक्तचाप और अन्य हृदय रोगों के मरीज.
- मधुमेह पीड़ित. ऐसे लोगों का ब्लड शुगर लेवल कभी-कभी अचानक नीचे गिरता है या फिर अत्यधिक बढ़ सकता है. इन दोनों ही स्थितियों में पैनिक अटैक की आशंका रहती है.
- थायरॉइड के मरीज
- अस्थमा के मरीज

उपचार

शारीरिक स्तर पर इलाज
इसमें शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर जोर दिया जाता है. ऐसे लोगों को नशीले पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी जाती है. साथ ही, मस्तिष्क और नर्वस सिस्टम को ठीक रखने के लिए पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है.

मनोवैज्ञानिक तरीके से
कॉग्निटिव बिहेविरल थेरेपी (सीबीटी) के जरिये विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति के सोचने और उसके व्यवहार के ढंग को बातचीत के माध्यम से सुधारने का प्रयास करते हैं.

हिप्नोथेरेपी
इसमें मन को शांत करने के लिए व्यक्ति को सम्मोहित किया जाता है और सुझाव दिया जाता है.

माइंडफुलनेस बिहेविरल थेरेपी (एमबीटी)
जो लोग अतीत की घटनाओं में ही खोए रहते हैं या भावी चिंताओं में, उनके लिए इस थेरेपी का सहारा लिया जाता है.

ऑटो सजेशन
इसमें व्यक्ति मन शांत करने के लिए स्वयं को ही सुझाव देता है कि मैं ठीक हो रहा हूं. मेरी स्थिति सुधर रही है और मैं किसी भी स्थिति में परेशान नहीं होऊंगा. इसे पॉजिटिव ऑटो सजेशन भी कहा जाता है.

एंटीडिप्रेशंट मेडिसिन
तनावकारक हार्मोन्स को नियंत्रित करने के लिए डॉक्टर एंट्री-डिप्रेशेंट दवाएं देते हैं.

सामाजिक कारण
दूसरों की मदद करें. अपनी बात कहें. सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहें. दूसरों से मिले-जुलें.

ओमिक्रॉन से बचाव के लिए डाइट

ओमिक्रॉन से बचाव के लिए सुरक्षा के साथ डाइट पर ध्यान देना भी बहुत जरूरी है. जैसे, हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार ओमिक्रॉन से बचाव के लिए खाने में जिंक लेना बेहद जरूरी है. खाने में रोजाना जिंक की 100-200 मिलीग्राम मात्रा लेनी ही चाहिए. जिंक की कमी से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है और इससे दिल भी कमजोर हो जाता है. जिंक की कमी से बच्चों में मलेरिया निमोनिया और लूज मोशन जैसी परेशानियां होती हैं. वहीं, शरीर में जिंक की कमी से ओमिक्रॉन का खतरा भी होता है.

तिल

काला और सफेद दोनों तरह के तिल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है. विटामिन ए और सी को छोड़कर इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं. तिल में भरपूर मात्रा में जिंक के साथ विटामिन बी6 और आयरन पाया जाता है.

पनीर

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर खाना बेहद जरूरी है. पनीर प्रोटीन से भरपूर होता है. साथ ही दूध, दही और पनीर सभी डेयरी प्रोडक्ट्स में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन के साथ जिंक पाया जाता है. रोजाना दूध या पनीर खाने से शरीर में जिंक की कमी दूर होती है.

मशरूम

मशरूम में कैलोरीज और भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है. इसमें जिंक की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है. मशरूम विटामिन डी का भी एक अच्छा सोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है. इसके अलावा इसे खाने से हार्मोन भी बैलेंस होते हैं.

बाजरा

बाजरा पोषक तत्वों से भरा होता है. साथ ही इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर भी पाया जाता है. बाजरे का सेवन करने से इम्यूनिटी ही स्ट्रॉन्ग नहीं होती, बल्कि इससे वेट लॉस भी होता है.

चाय हर कल्चर में एक खास स्थान रखती है, न केवल सोल-सूदिंग एक्सपीरियंस के लिए, बल्कि सुगंधित जड़ी-बूटियों से बने अच्छे हेल्थ के डोज के रूप में भी. अच्छे स्वास्थ्य का ऐसा ही एक सदियों पुराना रहस्य है डैंडेलियन चाय, जिसे लायन टूथ टी भी कहा जाता है. इस डिलाइटफुल चाय को डैंडेलियन कॉफी के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि पौधे की जड़ों और पत्तियों को भूना और पीसा जाता है और कैफीन युक्त कॉफी के ऑप्शन के रूप में इसका आनंद लिया जाता है.

डैंडेलियन चाय से ठीक करें फैटी लीवर

डैंडेलियन चाय का इतिहास 1000 साल से भी ज्यादा पुराना है क्योंकि ये चीन, यूरोप और मिस्र जैसी कई प्राचीन संस्कृतियों में एक बेहतरीन हर्बल ड्रिंक था. इस पौधे के अर्क का इस्तेमाल उनके औषधीय गुणों के लिए किया जाता था, खास तौर से चिकित्सा के प्राचीन रूपों में. तेजी से बढ़ने वाले खरपतवार को इसके बेहतरीन ट्रीटमेंट, डिटॉक्सीफाइंग, एंटी इनफ्लामेट्री और प्रोबायोटिक प्रोपर्टीज के लिए व्यापक रूप से सेवन किया गया था जो ओवरऑल हेल्थ को बढ़ावा देने में मदद करते थे.

वेट लॉस में मददगार

डैंडेलियन चाय वजन को कम करने में मदद करती है क्योंकि ये एक डयूरेटिक की तरह काम करती है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है, वजन कम करने में मदद मिलती है. डैंडेलियन चाय पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करती है, भूख में सुधार करती है और कब्ज से राहत दिलाती है. इस चाय का अर्क पैंक्रियाटिक लाइपेस को रोकता है, एक एंजाइम जो पाचन के प्रोसेस के दौरान फैट को तोड़ने के लिए जारी किया जाता है.

कैसे बनाएं

इस साधारण चाय को बनाने के लिए 2 कप पानी उबाल लें. पानी के गर्म होने पर इसमें 1 चम्मच डैंडेलियन चाय की पत्ती डालकर कम आंच पर उबालें. फिर चाय को छान लें और उसमें 1 चम्मच शहद मिलाकर पीएं.

सिंपल स्ट्रेचिंग एक्सरसाइजेस से पाएं घुटनों व जोड़ों के दर्द से राहत

आजकल घुटनों और जोड़ों का दर्द एक आम प्रॉब्लम हो गई है. बुजुर्ग ही नहीं, बल्कि बहुत से यंग लोग भी इससे परेशान दिखते हैं. वैसे तो इससे राहत पाने के लिए इलाज कराना बहुत जरूरी है, लेकिन कुछ सिंपल स्ट्रेच एक्सरसाइजेस की मदद से भी आपको इस तरह के दर्द में राहत मिल सकती है.

हैमस्ट्रिंग स्ट्रेच

यह स्ट्रेच जांघों के पीछे की मसल्स पर फोकस करता है और घुटनों को राहत देने का काम करता है. इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे लेट जाएं और अपने दोनों हाथों को फैला लें. अब एक पैर को ऊपर की ओर उठाकर दोनों हाथों को फैला लें.

क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेच

यह स्ट्रेच जांघों के सामने की मसल्स को टारगेट करता है. इसको रेग्युलरली करने से पैरों का दर्द तो दूर होगा ही, साथ ही लचीलेपन में भी सुधार आएगा. इसको करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं और फिर अपने एक पैर को पीछे की ओर से ऊपर उठाते हुए अपने पंजों को हाथ से पकड़ें. इसके बाद हाथ से पैर को और ऊपर की ओर उठाने की कोशिश करें. आप दोनों पैरों के साथ ऐसा करें और करीब 10 मिनट तक रोज इसकी प्रैक्टिस करें.

एनोरेक्सिया नर्वोसा | अगर आपको भी नहीं लगती है भूख

अक्सर हमने देखा है कि बच्चे हों या फिर बड़े, वो ये ही कहते हैं कि उनको भूख नहीं लगी. भूख नहीं लगना भी एक बड़ी समस्या है, एक बीमारी है. अगर आपको ऐसा लगता है कि आपको भी भूख नहीं लगती है तो इसको कभी भी इग्नोर न करें. दरअसल 'एनोरेक्सिया' को भूख की कमी के रूप में देखा जाता है. भूख की यह कमी जब 'ईटिंग डिसऑर्डर' का रूप ले लेती है तो इसे 'एनोरेक्सिया नर्वोसा' (**Anorexia Nervosa**) कहा जाता है. इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति का भोजन से दिल उठ जाता है.खाने से अरुचि होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे मोटे होने का डर, पेट खराब होना, मानसिक तनाव और कोई लंबी बीमारी. अगर आपको भूख नहीं लगती है तो जीवनशैली में बदलाव और कुछ घरेलू औषधियों की मदद से एनोरेक्सिया का उपचार आप कर सकते हैं.

पाचन क्रिया को नुकसान

आयुर्वेद में एनोरेक्सिया को आरुचि या भोजन में स्वाद की कमी के तौर पर जाना जाता है. ऐसा तब होता है जब 'पाचक अग्नि' कम हो जाती है, जिससे भूख नहीं लगती है और खाने का मन भी नहीं करता है. इतना ही नहीं, आयुर्वेद के अनुसार एनोरेक्सिया वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन के अलावा भय, क्रोध और तनाव जैसे मनोवैज्ञानिक समस्याओं के कारण हो सकता है, जिससे आपकी पाचन क्रिया को नुकसान होता है.

लक्षण और आयुर्वेदिक उपचार

एनोरेक्सिया नर्वोसा के लक्षण कई तरह के होते हैं जो हमारी बॉडी के अलग-अलग हिस्सों में नजर आते हैं.

- डिहाइड्रेशन
- चक्कर आना
- थकान
- लो ब्लड प्रेशर
- शरीर का तापमान कम होना
- ऑस्टियोपोरोसिस
- ठंड लगना
- कंपल्सिव डिसऑर्डर
- हाइपरएक्टिविटी
- सोशल आइसोलेशन
- वजन कम होना
- चिंता
- डर
- अपराधबोध
- कब्ज और उल्टी
- अनियमित मासिक धर्म
- खराब नाखून
- सूखे बाल
- शुष्क त्वचा
- बहुत अधिक शरीर का पतला होना
- हृदय गति का धीमा होना इत्यादि.

त्रिकटु औषधि

त्रिकटु एक पारंपरिक आयुर्वेदिक मिश्रण होता है, जो पेट के लिए लाभदायक होता है. इस मिश्रण के चूर्ण में थोड़ा सा पानी और शहद मिलाकर पेस्ट बना लें और सेवन करें. इससे आपको भूख लगनी शुरू हो सकती है.

अल्फा-अल्फा

अल्फा-अल्फा एक जड़ी बूटी होती है. इसका सेवन चाय या टिंचर के रूप में किया जा सकता है. इसके सेवन से पेट की समस्याएं दूर होती हैं और भूख भी लगने लगती है.

इलायची

इलायची को ऐसे तो आमतौर पर एक माउथ फ्रेशनर के रूप में खाते हैं. यह खाना पचाने में काफी मददगार है. यह न सिर्फ एनोरेक्सिया का उपचार करने में मदद करती है, बल्कि तनाव-अवसाद को भी दूर करने में सहायक होती है.

हींग

हींग भारतीय खानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. हींग को भूख बढ़ाने और पाचन में सुधार करने के लिए जाना जाता है. आप नियमित रूप से अपने भोजन में हींग का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे आपकी भूख बढ़ेगी. आप आधा कप गर्म पानी में लगभग 500 मिलीग्राम हींग पाउडर मिलाएं और अदरक, एक बड़ा चम्मच शहद और आधा नींबू का रस मिलाएं और इसे 5 से 10 मिनट रखने के बाद पिएं.

एक नज़र

शासन सचिवालय में कार्मिक विभाग के सेक्शन में लगी आग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। यहां शासन सचिवालय में शनिवार को अल सुबह मुख्य इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित कार्मिक विभाग दफ्तर में आग लगने से कई महत्वपूर्ण फाइलें जल गईं। आग लगने की सूचना पर विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। महत्वपूर्ण दस्तावेज जलने के कारण एफएसएल टीम को बुलाया। टीम ने मौके से जली हुई फाइलों के साक्ष्य जुटाए हैं।

मुख्य भवन की दूसरी मंजिल से धुआं उठता देख सुरक्षाकर्मियों ने इसकी सूचना विभाग के अधिकारी और दमकल को दी। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक तीन अलमारी में रखी महत्वपूर्ण फाइलें जल गईं।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य: कार्मिक विभाग सेक्शन में आग लगने और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलने की पुष्टि होने के बाद सचिवालय के सुरक्षा अधिकारियों ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया। एफएसएल टीम ने मौके से जले हुए दस्तावेजों के साक्ष्य एकत्रित किए।

डूंगरराम शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राज्य सरकार ने डूंगर राम गेदर को शिल्प एवं माटी कला बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त शासन सचिव शक्ति सिंह राठौड़ ने रविवार को एक अधिसूचना जारी कर बताया कि गेदर को पूर्व में बोर्ड के उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया था। अब इस आदेश में बदलाव कर बोर्ड के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के नियम 6.4.2 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए गेदर को शिल्प एवं माटी कला बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

42.93 लाख बच्चों ने गटकी पोलियो रोधी खुराक

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राज्य के चयनित 20 जिलों में रविवार से प्रारंभ किए गए उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान) के अंतर्गत 5 वर्ष तक के लगभग 42.93 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। यह संख्या लक्षित बच्चों का 57.4 प्रतिशत है। अभियान के अंतर्गत आगामी 2 दिनों तक घर-घर संपर्क कर स्वास्थ्य कार्यकर्ता 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे। सीएचसी मंडावरी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिला कर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की।

नेशनल यूथ कॉन्क्लेव में बोले मुख्यमंत्री...

युवाओं के योगदान से मिलेगी प्रदेश के उद्योगों को रफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि युवाओं के योगदान से ही समाज और राष्ट्र का उत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि हमें सामाजिक मतभेद भुलाकर राष्ट्रहित व राष्ट्रीय उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए। राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश में बड़े उद्योगों की स्थापना के साथ छोटे उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। रविवार को जोधपुर में जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के नेशनल यूथ कॉन्क्लेव के समापन समारोह में गहलोत ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की देखभाल, हिंसामुक्त समाज, रोगमुक्त मानवता के लक्ष्य को लेकर 'जैन इंटरनेशलन ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन' (जीतो) एनजीओ उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। प्रदेश में नवीन उद्योगों की स्थापना एवं औद्योगिक क्षेत्र के विकास की दिशा में कार्य कर रही है। सरकार की नीतियों से प्रदेश में उद्योग एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रदेश में बढ़ रहा है निवेश

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि राज्य सरकार गहलोत के नेतृत्व में उद्योगों के विकास के लिए लगातार अहम निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के फैसलों के परिणामस्वरूप प्रदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है तथा प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि युवाओं की उद्यमिता को प्रोत्साहन देते हुए लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम के माध्यम से अधिकाधिक रोजगार उत्पन्न करने का कार्य राज्य सरकार कर रही है।

भूमि लेने व देने वाले एक ही समाज के

सीएम गहलोत ने कहा कि वे खुद जैन समाज की स्कूल में पढ़े हुए हैं। उनके अधिकतर मित्र जैन समाज से हैं। जैन समाज ने मुख्यमंत्री से दस बीघा की जमीन की भी मांग रखी। गहलोत ने कहा कि जैन समाज की जमीन देने की मांग तो बहुत छोटी है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल हैं। ऐसे में लेने व देने वाले एक ही समाज के ही हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि लेने वाले श्रीनाथजी व देने वाली श्रीनाथजी हैं। जमीन की परवाह मत कीजिए। जमीन तो सरकार सभी समाजों को देती है, जिसकी एक प्रक्रिया होती है। आप लोग ऐसी संस्थाएं खड़ी कीजिए, जो छत्तीस कौम के लिए काम करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मनाया जन्मदिन

लम्पी से संक्रमित गायों की सेवा कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की ओर से सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी के कार्यकर्ता 2 अक्टूबर तक सेवा के विभिन्न कार्य करेंगे। शनिवार को पीएम मोदी के जन्मदिन पर प्रदेशभर में युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जयपुर जिले के जालसू और चंदवाजी में, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने दौसा, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने धौलपुर में रक्तदान शिविरों में पहुंचकर रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर मनोबल बढ़ाया। वहीं मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक कालीचरण सराफ ने सपत्नीक क्षेत्र के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ दुर्गापुरा स्थित गोशाला जाकर औषधी युक्त लड्डू एवं चारा गायों को खिलाकर गोवंश की सेवा की।

देश के स्वाभिमान के लिए काम करें पीएम

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। हम करोड़ों कार्यकर्ताओं के आदर्श एवं प्रेरणास्त्रोत हैं। राजस्थान की जनता कामना करती है कि वो शतायु हों। हमेशा स्वस्थ और प्रसन्न रहें और इसी तरीके से देश के बुनियादी विकास और देश के स्वाभिमान के लिए काम करते रहें। इस बार सेवा पखवाड़े में पौधरोपण, चिकित्सा शिविर लगाए जाने के साथ दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए जाएंगे। साथ गोवंश की सेवा भी की जाएगी।

एनएसयूआई ने तले पकौड़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन एनएसयूआई ने बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया। राजस्थान यूनिवर्सिटी के मेन गेट पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री से रोजगार की मांग की। इस दौरान युवाओं ने पकौड़े तल, चाय और पानी पूरी बेचने के साथ ही बूट पॉलिश कर विरोध जताया। यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रही रितु बराला ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। रोजगार के सभी रास्ते बंद कर दिए। राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश भाटी ने कहा कि मोदी युवाओं को रोजगार देने में विफल रहे हैं।

केक काटकर मनाया जन्मदिन

विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में कई कार्यक्रम हुए। गोशाला में लम्पी संक्रमित गायों की सेवा की गई। सेक्टर दो मालवीय नगर में सिंधी समाज की ओर से केक काटकर मोदी को शुभकामनाएं दी गई। तेरापंथी युवक परिषद की ओर से एसडीएम पार्क, मोती डूंगरी पर युवा मोर्चा राजापार्क मंडल अध्यक्ष संदीप इत्तन के नेतृत्व में रक्तदान शिविर लगाया गया। इस दौरान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, पार्षद महेश सैनी बच्चू, महेश सैनी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, वार्ड अध्यक्ष बलजिंदर सिंह मौजूद रहे।

झाझड़िया ने पैरा एथलेटिक्स में जीता रजत पदक

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के स्टार जैवलिन थ्रोअर, खेल रत्न अवार्डी देवेंद्र झाझड़िया ने मोरक्को के मारकेच सिटी में चल रही वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्रिक्स में भाला फेंक में रजत पदक जीतकर एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। 40 वर्षीय देवेंद्र ने 60.97 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर रजत पदक अपने नाम किया। वहीं भारत के ही अजित कुमार ने 64 मीटर जैवलिन फेंककर स्वर्ण पदक जीता है। सिल्वर मेडल जितने के बाद झाझड़िया ने कहा कि वर्ष 2002 में उन्होंने दक्षिण कोरिया में पैरा एशियन गेम्स में गोल्ड के रूप में करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीता था। बीस साल बाद पदक जीतकर गर्व की अनुभूति हो रही है। लगातार 20 साल तक देश के लिए पदक जीतना गौरवान्वित करता है।

डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए निगम की नई व्यवस्था

कार्ड स्विप के बाद ही माना जाएगा कि उठ गया कचरा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर निगम ग्रेटर ने नई व्यवस्था शुरू की है। इस व्यवस्था के तहत लोगों के घरों के बाहर आरएफआईडी कार्ड लगाए जा रहे है। रोजाना कचरा उठाने के लिए गाड़ी आने से पहले मोबाईल पर मैसेज आएगा। जिसके बाद कचरा कलेक्ट होने के बाद कार्ड स्वाइप किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम चार्ज वसूलेगा। जितने घरों से कचरा उठाया जाएगा। उसी के अनुसार कचरा कलेक्ट करने वाली कम्पनी को भुगतान किया जाएगा। फिलहालआरएफआईडी कार्ड लगाने का काम नगर निगम ग्रेटर के मुरलीपुरा और मालवीय नगर जॉन में किया जा रहा है। जल्द विद्याधर नगर जॉन में भी आरएफआईडी कार्ड लगाने का काम शुरू होगा।

कंपनी को तीन माह में कार्ड लगाने का टारगेट

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए जयपुर के नगर निगम ग्रेटर ने नई व्यवस्था लागू की गई है। जॉन वाईज टेंडर किये गए है। नगर निगम ग्रेटर के उपयुक्त मुकेश कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा और मालवीय नगर जॉन में वी के एनवायरो कम्पनी को टेंडर दिया गया है। जो प्रत्येक घर के बाहर आरएफआईडी कार्ड लगा रही है। जिसे तीन माह में कार्ड लगाने का टारगेट दिया गया है। जिसके बाद कचरा उठाते समय प्रतिदिन स्वीप किया जाएगा। यह प्रक्रिया आगामी सप्ताह तक विद्याधर जॉन में भी शुरू की जाएगी।

घर की साइज के अनुसार चार्ज

नई व्यवस्था के तहत नगर निगम प्रत्येक घर से उसके क्षेत्रफल के आधार पर यूजर चार्ज की वसूली करेगा। इसमें 50 वर्गमीटर तक 20 रुपए, 50 से 300 वर्गमीटर तक 80 रुपए और 300 वर्गमीटर से अधिक पर 150 रुपए महीना यूजर चार्ज वसूल किया जाएगा। भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा। भुगतान होने के बाद ही कम्पनी द्वारा घर से कचरा उठाया जाएगा। सफाई समिति चेयरमेन अभय पुरोहित ने बताया कि आरएफआईडी कार्ड लगाने के बाद निगम द्वारा बैंक से अनुबंध कर स्वाइप मशीन उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे घर घर जाकर ऑनलाइन भुगतान किया जाएगा। जो सीधे नगर निगम के खाते में जाएगा। कचरा संग्रहण करने वाली कम्पनी द्वारा जितने घरों से कचरा उठाया जाएगा उसी के अनुसार निगम द्वारा भुगतान किया जाएगा।

सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों की एंट्री के नए सॉफ्टवेयर आईएचएमएस का ड्राई रन शुरू

अब एक क्लिक पर डॉक्टर के सामने होगी मरीज़ की हिस्ट्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल एसएमएस भी इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ा गया है। आईएचएमएस सॉफ्टवेयर शुरू करते हुए मरीजों का डेटा जोड़ा जा रहा है। मरीजों की जन आधार कार्ड के नंबर फीड करते हुए मरीज की पूरी जानकारी एक साथ फीड हो रही है। पहले दिन करीब 2 हजार मरीजों का डेटा फीड किया गया। 25 सितंबर तक ट्रायल पर चल रहा है, जो खामियां आएगी उन्हें दूर करते हुए आईएचएमएस सॉफ्टवेयर में बदलाव किया जा रहा है। ट्रायल सफल रहा तो 2 अक्टूबर को सुचारू रूप से शुरू किया जाएगा। अब तक एसएमएस अस्पताल में 14 वर्ष पुराने आरोग्य ऑनलाइन सॉफ्टवेयर को मरीजों के दबाव को देखते हुए बदला जा रहा है।

मरीज का कतार में लगने वाला समय बचेगा

राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग और डीओआईटी द्वारा इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। अब एसएमएस अस्पताल में शुरू किया जा रहा है। एसएमएस के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि अभी ट्रायल बेस पर नए सर्वर को शुरू कर दिया गया है। मरीज कहीं से भी रैफर होकर आए या जनाधार कार्ड लेकर आएगा तो उसके स्वास्थ्य से जुड़ी सारी जानकारी एक क्लिक पर सामने होगी। इससे मरीज के कतार में लगने वाले समय में बचत होगी।

ड्राई रन में लाइव डाटा फीड

एसएमएस अस्पताल में आरोग्य ऑनलाइन पर काम करते हुए आईएचएमएस का ड्राई रन शुरू किया गया है। अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. अनिल दुबे ने बताया कि ओपीडी, आईपीडी, जांच लैब सहित सभी जगह मरीजों का डेटा लेकर आईएचएमएस से जोड़कर देखा जा रहा है। जो मरीज जन आधार कार्ड से एंट्री करवा रहे हैं, उनकी पूरी जानकारी एक साथ फीड हो रही है।

ऑनलाइन डेटा से होगा इलाज

ड्राई रन के बाद एसएमएस अस्पताल में ओपीडी और आईपीडी में भी मरीजों का इलाज ऑन लाइन रिपोर्ट देखकर किया जा सकेगा। डॉ. दुबे ने बताया कि आईएचएमएस लाने का काम ओहम कम्पनी कर रही है। डीओआईटी की मदद से एसएमएस में डॉक्टर्स के ओपीडी चैंबर, आईपीडी और अन्य स्थानों पर सिस्टम लगाए जाएंगे।

अशोक गहलोत ने की जोधपुर में क्रिकेट अकादमी स्थापित करने की घोषणा

खेलों के विकास और खिलाड़ियों के उत्थान का नया युग शुरू: गहलोत

बरकतुल्लाह खां स्टेडियम के नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में खेलों के विकास और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए सरकार कोई कमी नहीं रख रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने जोधपुर में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की क्रिकेट अकादमी स्थापित करने की घोषणा की।

गहलोत रविवार शाम जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम में नवीनीकरण कार्यों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने स्टेडियम पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बरकतुल्लाह खां की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्टेडियम के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि राजस्थान में खेलों के विकास में प्रदेश सरकार का हर स्तर पर अपेक्षा से अधिक सहयोग प्राप्त होता रहा है। खासकर बीसीसीआई के मैदानों के अनुरूप इस प्रकार के कार्य करने में राज्य सरकार का जो योगदान रहा है।

एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

इस अवसर पर गहलोत की अध्यक्षता में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और जोधपुर विकास प्राधिकरण के मध्य समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें आरसीए तथा जेडीए के सचिव ने हस्ताक्षर किए। इसी के साथ अब स्टेडियम के प्रबंधन और संचालन की जिम्मेदारी जेडीए ने आरसीए को सौंप दी है।

अंतरराष्ट्रीय मापदण्डों के अनुरूप पिच

जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 31 करोड़ रुपए की लागत से बरकतुल्लाह खां स्टेडियम में विभिन्न कार्य करवाए गए हैं। इनमें खिलाड़ियों के लिए जिम, 26 हजार कुर्सियां, फिजियो रूम, एंटी डोपिंग रूम, प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल, मीडिया रूम के अलावा दो लाल मिट्टी और तीन काली मिट्टी के पिच अंतरराष्ट्रीय मापदण्डों के अनुरूप बनाए गए हैं।

स्टेडियम उपयोग कर निखारें खेल प्रतिभाएं

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने बरकतुल्लाह खां स्टेडियम को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाओं को विकसित करने वाला बताते हुए कहा कि इससे खेल जगत को एक नहीं बल्कि अनेक रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ी मिलेंगे। डॉ. जोशी ने कहा कि जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में इस प्रकार के स्टेडियम खोल इतिहास में मील के पत्थर साबित होंगे।

सपने होंगे साकार

पूर्व शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि राजधानी जैसा ही स्टेडियम जोधपुर में तैयार है, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों के सपने सच होते दिखाई देंगे। उन्होंने आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने बेहतर ढंग से जिम्मेदारी निभाई है।

एक नज़र

सांसद सुमेधानंद के ख़िलाफ़ FIR दर्ज

- दो अन्य को भी बनाया आरोपी
- सीआईडी करेगी मामले की जांच

सीकर। सीकर से भाजपा सांसद सुमेधानंद सरस्वती समेत तीन लोगों के खिलाफ शुक्रवार को धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया। यह मामला जयपुर के आदर्श नगर थाने में आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री जीववर्धन शास्त्री की ओर से पेश इस्तगासे के जरिए गुरुवार शाम को दर्ज कराया गया है। थानाधिकारी विष्णु कुमार खत्री ने बताया कि परिवादी जीववर्धन के इस्तगासे पर सुमेधानंद, देवेन्द्र और रविशंकर गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि सरस्वती वर्तमान में सांसद हैं, इसलिए जांच के लिए फाइल सीआईडी को भेजी जा रही है। परिवादी ने अपनी शिकायत में बताया कि सरस्वती को आर्य प्रतिनिधि सभा का प्रधान चुना गया था, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने इस पद से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद भी सांसद ने फर्जी लेटर पैड के जरिए समानांतर संस्थान चलाने का प्रयास किया है।

आरोप निराधार

सांसद सुमेधानंद ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वो वर्तमान में भी आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान पद पर हैं और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस विषय में स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं सभा का विधिवत निर्वाचित प्रधान हूं। पांच दिसम्बर 2021 को विधिवत चुनाव हुआ। उसके बाद छलपूर्वक मेरा त्यागपत्र स्वीकार करने का षड्यंत्र रचा गया। सरस्वती ने कहा कि उन्होंने किसी भी तरह के धन का बैंकों से निस्तारण नहीं किया। उन्होंने अपने खिलाफ धोखाधड़ी या षड्यंत्र के आरोपों को सरासर गलत और निराधार बताया।

कला मंज़र संस्था द्वारा शुरू की गई लोक कला व संस्कृति से सम्बंधित प्रतियोगिताएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत सप्ताह बुधवार को जयपुर कला मंजर संस्था द्वारा राजवंश सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राजस्थानी लोक - नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को खोजना व उनमें अपनी लोक संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। लॉयन्स क्लब(डायमंड) के चैयरमैन श्री सुनील ब्योत्रा ने मुख्य अतिथि व वरिष्ठ चित्रकार व नृत्यांगना प्रतिमा पटनायक ने विशिष्ट अतिथि व निर्णायक के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई।

कला मंजर संस्था की संस्थापिका मीनाक्षी माथुर ने संस्था का परिचय देते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और बताया कि संस्था अपने उद्देश्यों के अनुरूप अन्य विद्यालयों व संस्थाओं में भी लोक कला व संस्कृति से सम्बंध विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित करेगी।स्कूल की निर्देशिका सीता चौहान जी ने सभी का स्वागत किया तत्पश्चात बालिकाओं ने सरस्वती वंदना और गणेश वंदना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जिसमें कुल 14 प्रतियोगी शामिल थे। अंत में स्कूल के प्रिंसिपल नवल जैन ने धन्यवाद भाषण दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सलोनी , दूसरे स्थान पर करीना व तीसरे स्थान पर नेहा ,चौथे स्थान पर अंजली रही जिन्हें मोमेंटों व प्रशस्ति पत्र दिए गए साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। आयोजन में पूजा उपाध्याय, रजनी सिंह, कविता सक्सेना, भावना बंसल, सीमा कावंत, रमेश शर्मा आदि के साथ ही स्कूल का स्टाफ व अभिभावकगण भी शामिल रहे।

इमर्जिंग लीगल इश्यूज पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस: देश के सभी हाईकोर्ट में एडिशनल सोलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया लगाए जाएंगे

डिजिटल तकनीक से समय पर न्याय में मिलेगी मदद: रिजिजू

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। पेपरलेस कार्य को बढ़ावा देने के साथ न्याय कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए विधि एवं न्याय मंत्रालय भी अपनी कार्य प्रणाली में डिजिटल मॉडल अपनाने की ओर बढ़ रहा है। इमर्जिंग लीगल इश्यूज -2022 विषय पर आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश में अदालतों को डिजिटल किया जा रहा है। इससे देश के लोगों को अपने केस के बारे में जानकारी हासिल करने में सुविधा मिलेगी और उन्हें समय पर न्याय मिल सकेगा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि देश के सभी हाईकोर्ट में एडिशनल सोलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया लगाए जाएंगे ताकि भारत सरकार के मामलों की प्रभावी पैरवी हो सके। उन्होंने कहा कि न्यायिक सिटम को रिलुक करने का समय आ गया है। हाईकोर्ट और लोअर कोर्ट में आधारभूत सुविधा बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

देश में चार करोड़ अस्सी लाख केस पेंडिंग

विधि मंत्री ने कहा कि कोलेजियम सिस्टम पर विचार करने की जरूरत है ताकि नियुक्तियों में तेजी लाई जा सके। देश में कानून मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा और लोगों को समय पर न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि देश में चार करोड़ अस्सी लाख पेंडिंग केस हैं, उन्हें कम करने के लिए न्याय प्रणाली को प्रभावी ढंग से काम करने की आवश्यकता है।

तीन सौ से ज्यादा एडवोकेट्स आए

कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अजय रस्तोगी, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव, गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी विचार व्यक्त किए। कॉन्फ्रेंस में 300 से गवर्नमेंट काउंसिल शिरकत कर रहे हैं। उद्घाटन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम नरेन्द्र मोदी के संदेश के साथ किया गया।

सेक्सटॉर्शन में नाबालिग समेत दो को पकड़ा

जयपुर। सोशल मीडिया पर अश्लील मैसेज भेजकर एवं न्यूड वीडियो कॉलिंग कर सेक्सटॉर्शन में फंसाने के बाद शिकार से लाखों रुपए ऐंठने वाले गिरोह का जैसलमेर पुलिस ने साइबर सेल के सहयोग से खुलासा कर हरियाणा निवासी गिरोह के मुख्य आरोपी अंसार अहमद पुत्र कबीर अहमद निवासी खुशपुरी थाना नगीना जिला नूह मेवात को गिरफ्तार कर उसके साथ में एक बाल अपचारी को पकड़ा है। जैसलमेर एसपी भंवर सिंह नाथावत ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति ने सेक्सटॉर्शन के संबंध में पुलिस को एक रिपोर्ट थी। उसमें बताया कि व्हाट्स एप नंबर से आए कॉल से वीडियो कॉल का न्यूड वीडियो बना वायरल करने की धमकी देकर हजारों रुपए खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

झालावाड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चार हथियार तस्कर गिरफ्तार, चार पिस्टल, सात मैगजीन बरामद

हिलव्यू समाचार

झालावाड़। कोतवाली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर चार हथियार तस्करों को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार किया है। इनके पास से 4 पिस्टल, 7 मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार तस्कर चंचल उर्फ चिंटू कुशवाह पुत्र सत्यनारायण, आकाश उर्फ मिन्टू सेन पुत्र प्रेमनारायण व सोहेल उर्फ छोटू थाना क्षेत्र के राड़ी के बालाजी एवं आरिफ उर्फ भय्यू उर्फ घेघरा पुत्र शौकत शाह इमामबाड़ा के रहने वाले हैं।

झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि पीएचक्यू के निर्देश पर मादक पदार्थ व हथियार तस्करों एवं आदतन अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान की सफलता के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा व सीओ बृज मोहन मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली चन्द्र ज्योति मय टीम द्वारा ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही थी।

नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास: पुलिस टीम ने शुक्रवार को गागरोन रोड से संदिग्ध चंचल कुशवाह व आकाश सेन को 4 पिस्टल, 7 मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया। इनसे पूछताछ के बाद शनिवार को टीम ने सोहेल ओर आरिफ को गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम चारों तस्करों से हथियार प्राप्ति के स्त्रोत, तस्करी के नेटवर्क व अन्य साथियों के सम्बंध में पूछताछ कर रही है। एसपी तोमर ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ में सामने आया कि चारों का एक गिरोह है, जो पैसों के लिए हथियार बेचने का काम करते हैं। आरिफ और सोहेल हथियार लेकर आते हैं, जिन्हें बेचने के लिए चंचल व आकाश को देते हैं।

फ़िल्म थैंक्स गॉड के ख़िलाफ़ विरोध-प्रदर्शन

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। 09 सितम्बर को अजय देवगन की फ़िल्म थैंक्स गॉड का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें कायस्थ समाज के आराध्य श्री चित्रगुप्त जी महाराज के बेहद अशोभनीय दृश्य दिखाए गए हैं। सम्पूर्ण कायस्थ समाज इस कृत्य से बेहद आहत और नाराज़ है। अखिल भारतीय कायस्थ सभा के जयपुर जिला अध्यक्ष अरुण सक्सेना ने बताया कि पूरे प्रदेश ही नहीं देश में इस दृश्य को लेकर समाज में काफी रोष है और अजय देवगन से माफ़ी मांगने एवं फ़िल्म से सीन हटाने की माँग की गई है अगर यह माँग पूरी नहीं हुई तो प्रदेश में आंदोलन होगा।

फ्यूचरिस्टिक इंडिया समिट 2022

मानवता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता: कलराज मिश्र

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने संविधान की संस्कृति के प्रसार और राष्ट्र के विकास के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इसी से नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्यों से प्रत्यक्ष जुड़ सकती है। शनिवार को होटल रमाडा में 'मन की उड़ान' संस्था की तरफ से आयोजित 'फ्यूचरिस्टिक इंडिया समिट 2022' सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि संविधान की मूल प्रति की शुरुआत में ही भगवान राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है और नीति निर्देशक तत्वों से जुड़े अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश के चित्र हैं। इसी प्रकार संविधान के विभिन्न भागों में भी महापुरुषों के चित्र हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमें अतीत से प्रेरणा लेते हुए भविष्य को संवारने का संकल्प लेना है।

जैसलमेर रेलवे स्टेशन को दिया जा रहा है हैरिटेज स्वरूप

जैसलमेर रेलवे स्टेशन को हवाई अड्डे जैसा बनाने के लिए 148 करोड़ का बजट

हिलव्यू समाचार

जैसलमेर। रेलवे द्वारा सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जैसलमेर रेलवे स्टेशन को 148 करोड़ रुपए की लागत से हवाई अड्डे की तरह सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। इस कार्य को पूरा होने में लगभग दो साल का समय लगेगा। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से करवाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जैसलमेर रेलवे स्टेशन को तीन मंजिला बनाने के साथ हैरिटेज स्वरूप भी दिया जाएगा। हवाई अड्डे की तरह ही फूड कोर्ट, सुविधायुक्त प्रतीक्षालय, लिफ्ट, एस्कलेटर, वातानुकूलित (एसी) और गैर-वातानुकूलित विश्राम कक्ष और साफ-सफाई के लिए आधुनिक मशीनें मौजूद रहेंगी। अधिकारी के मुताबिक, जैसलमेर रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का काम पूरा करने का जिम्मा बीकानेर की एक कंपनी ने लिया है। उन्होंने बताया कि काम सितंबर के अंत तक शुरू होने की संभावना है और इसे पूरा होने में लगभग दो साल का समय लगेगा।

बीकानेर की निर्माण कंपनी को दिया ठेका

मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) गीतिका पांडेय ने बताया कि सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से करवाया जा रहा है और हवाई अड्डे की तरह ही रेलवे स्टेशन पर सभी सुविधाएं होंगी। पांडेय के अनुसार उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर स्थित जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मंशा के अनुरूप किया जा रहा है और काम का ठेका बीकानेर की निर्माण कंपनी एसकेटी एसजीसीएल (जेवी) को दिया गया है। कंपनी की ओर से स्टेशन के पुनर्विकास की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और इसी महीने सितंबर में काम शुरू होने की संभावना है।

मिलेंगी विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं

पांडेय के मुताबिक, प्लेटफॉर्म्स पर यात्री सुविधाओं की जानकारी देने के लिए डिजिटल डिस्प्ले लगाए जाएंगे। इसके अलावा, स्टेशन पर आने-जाने वाले दिव्यांग यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि विकसित किए जाने वाले क्षेत्र में विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। वहां बड़े पार्किंग स्थल, सोलर पैनल की स्थापना, बरसात के पानी की निकासी और पर्याप्त अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता समेत पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त किए जाएंगे। काम पूरा होने में लगभग दो साल लग जाएंगे और वर्तमान स्टेशन की इमारत दो मंजिला है, जबकि नई बिल्डिंग तीन मंजिला होगी, जिसमें विभिन्न विभागों के दफ्तर भी होंगे।

पीले पत्थर का किया जाएगा इस्तेमाल

डीआरएम ने बताया कि देशी-विदेशी सैलानियों से गुलजार रहने वाली स्वर्ण नगरी जैसलमेर में रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण के दौरान सौंदर्यीकरण में स्थानीय कला और संस्कृति को विशेष तवज्जो दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास पर करीब 148 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। पांडेय के अनुसार, नई इमारत के निर्माण में पीले पत्थर का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेशन भवन को हैरिटेज स्वरूप देते हुए नक्काशीदार झरोखों, जालियों, छतरियों, आदि से जैसलमेर की कला और संस्कृति की पहचान बरकरार रखी जाएगी।

एक शख्सियत

आज के युवाओं के लिए आदर्श हैं भारतीय सीमा शुल्क अधीक्षक आदर्श चौधरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित कॉलेज शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 2020 में बहरोड जाट निवासी आदर्श चौधरी ने अर्थशास्त्र विषय में 8 वीं रैंक हासिल की।

वर्तमान में चौधरी वित्त मंत्रालय के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एवं कस्टम (CBIC)विभाग, भारतीय सीमा शुल्क, मुंबई में मूल्यांकन अधिकारी (अधीक्षक) के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले भी आदर्श चौधरी सरकारी सेवा में आने के बाद भी विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त का चुके हैं जिसमें एक्साइज इंस्पेक्टर ,कस्टम इंस्पेक्टर, गेट इकोनॉमिक्स में ऑल इंडिया 45 वीं रैंक हासिल की तथा सरकारी सेवा में रहते हुए लगातार सात बार UGC नेट की परीक्षा भी पास कर चुके हैं 2015 में सेवा में आने के वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पीएचडी जारी है।

सरिस्का बचाओ, रोजगार दिलाओ अभियान:
थानागाजी से सरिस्का गेट तक पैदल मार्च कर प्रशासन के समक्ष रखेंगे मांगें

डॉ. किरोड़ी सरिस्का में खोलेंगे सरकार के ख़िलाफ़ मोर्चा

हिलव्यू समाचार

अलवर। भाजपा से राज्यसभा सांसद मंगलवार से सरिस्का में प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। पर्यावरण और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण और वन्यजीवों की आश्रयस्थली सरिस्का क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित एवं निर्माणाधीन होटलों, वन क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध फार्म हाउस, वन क्षेत्र में जमीनों का अवैध पंजीयन, अवैध खनन एवं वन्य जीव अधिनियम के उल्लंघन को प्रभावी रूप से रोके जाने की मांग को लेकर राज्य सभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा मंगलवार को थानागाजी से सरिस्का गेट तक पैदल मार्च कर प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों को रखेंगे। करीब आठ किलोमीटर पदयात्रा के माध्यम से सरिस्का बचाओ अभियान की शुरुआत करेंगे।

सोमवार को भाजपा नेता डॉ. मीणा ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में सरिस्का में हो रहे अवैध होटल निर्माण को लेकर वन अधिकारियों व सरकार पर दोगला रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

वन अधिकारियों पर लगाए आरोप

सांसद मीणा ने कहा एक तरफ सरकार अवैध रूप से संचालित होटलों, फार्म हाउसों व अवैध माइंस पर कार्रवाई करने से बच रही है। वहीं दूसरी और सरिस्का क्षेत्र के ग्रामीणों को नाजायज परेशान कर रही है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों पर अपने पद का दुरुपयोग कर भूमि पर अवैध कब्जा करने का भी आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध

सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य में वर्तमान में चल रही एवं निर्माणाधीन होटलों का जिक्र करते हुए डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार सरिस्का क्षेत्र में वाणिज्यिक कार्य संचालित नहीं हो सकता। ऐसे में गैर वानिकी गतिविधियों को बंद किया जाए तथा अवैध रूप से किए गए बेचान निरस्त किए जाए।

वन एवं सिवायचक भूमि पर कब्जा

सीएम के नाम कलेक्टर को दिए जाने वाले ज्ञापन में सरिस्का क्षेत्र में चल रही होटलों की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की है। इन होटलों के मालिकों के नाम का खुलासा करते हुए मीणा ने कुछ पूर्व वन अधिकारियों पर भी अवैध रूप से सरिस्का में होटल बनाने का आरोप लगाया। डॉ. मीणा ने सरिस्का में अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

शैक्षणिक नगरी कोटा अब पर्यटन सिटी भी होगी

किशोर सागर तालाब में बोट विद रेस्टोरेंट्स, चंबल नदी में चलेगा क्रूज

हिलव्यू समाचार

कोटा। कोटा को पर्यटन सिटी बनाने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं।शिक्षा नगरी कोटा को पर्यटन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है. शहर में 1000 करोड़ रुपए से चंबल के हेरिटेज रिवरफ्रंट के अलावा चौराहों को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा (Chambal riverfront development in Kota) है।इसके अलावा किशोर सागर तालाब की पाल पर जैसलमेर की सालिम सिंह की हवेली का मॉडल तैयार किया जा रहा है।

करीब 100 करोड़ रुपए से कोटा सिटी पार्क और दूसरे पार्कों को भी पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जा रहा (Kota city parks development) है. अधिकारियों का मानना है कि चंबल रिवर फ्रंट तैयार हो जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे।किशोर सागर तालाब में भी अब बोट विद रेस्टोरेंट्स, चंबल नदी में क्रूज और कोटा शहर में स्पेशल टूरिस्ट बस चलाई जाएगी. इसके अलावा किशोर सागर तालाब में स्पोर्ट्स एक्टिविटी के तहत स्कूटर और अन्य संसाधन भी जुटाए जाएंगे.

जिला कलेक्टर ओपी बुनकर के अनुसार किशोर सागर तालाब से सेवन वंडर गार्डन के बीच में बोट विद रेस्टोरेंट्स संचालित किया (Boat with restaurant in Kota) जाएगा।जग मंदिर का भी चक्कर लगवाया जाएगा।किशोर सागर तालाब में बोट विद रेस्टोरेंट के कार्य को जल्द शुरू करने के निर्देश नगर विकास न्यास को दिए हैं।टेंडर के जरिए वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां शुरू की जाएगी, जिनमें स्कूटर व मोटर बोट शामिल है। दीपावली के पहले पूरी प्रक्रिया कर बोट संचालन के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यटन अधिकारी संदीप श्रीवास्तव का कहना है कि कोटा सिटी बस लिमिटेड की बस को पर्यटन के हिसाब से सजाकर तैयार किया जाएगा. यह हर रविवार को आरटीडीसी सेंटर कोटा से शुरू होगी।इसमें कोटा बैराज, गढ़ पैलेस, चंबल गार्डन, सेवन वंडर, किशोर सागर तालाब, अभेड़ा महल व करणी माता मंदिर को शामिल करने की योजना है।अभी इसे मूर्त रूप दिया जा रहा है। जिला कलेक्टर की सहमति के बाद रूट घोषित कर दिया जाएगा।इसमें निजी ट्रैवल एजेंट को भी शामिल किया जाएगा।

आगामी चुनाव में बेटे की लॉन्चिंग के लिए धन जुटा रहे धारीवाल: प्रह्लाद गुंजल

30 सितम्बर तक कोटा की सड़कें हो जाएंगी दुरुस्त : मंत्री धारीवाल

हिलव्यू समाचार

कोटा। कोटा उत्तर विधानसभा के पूर्व बीजेपी विधायक प्रह्लाद गुंजल ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर जमकर निशाना साधा।मंगलवार को कोटा में गुंजल ने कहा कि मंत्री धारीवाल शहर में हो रहे गड्ढों की सुध लेने की जगह बड़े-बड़े काम कर कमीशन वसूल रहे हैं, ताकि वो अपने बेटे की आगामी चुनाव में लॉन्चिंग कर सकें।पूर्व विधायक प्रह्लाद गुंजल ने कहा कि अनियोजित विकास के चलते लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं।एक-एक कर 32 परिवारों के चिराग उजड़ गए, लेकिन राज्य सरकार सोई हैं और मंत्री जनता को थोथे सपने दिखा रहे हैं।बीते

दिनों दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई।उन्होंने आगे कहा, 'मैं पिछले एक साल से कह रहा हूँ कि शहरभर की सड़कों पर जानलेवा गड्ढे हो गए हैं। जिनके चलते लोगों की मौत हो रही है. कोई भी हादसा या दुर्घटना होने पर मंत्री धारीवाल और आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया का एक ही बयान आता है कि 2000 करोड़ का रिवरफ्रंट बना रहे हैं।शहर में कॉस्मेटिक सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। लेकिन जनता परेशान है इसकी चिंता मंत्री को नहीं है।

इस पर पलटवार करते हुए मंत्री धारीवाल ने कहा कि राजस्थान में 1200 मिलीमीटर बारिश हुई है।इसके चलते ऐसा कोई भी शहर नहीं है जहाँ पर सड़कें खराब न हुई हों कोटा भी इससे अछूता नहीं। हालांकि, मंत्री दावा किया कि 30 सितंबर से पहले 2 लाख 71 हजार वर्गमीटर की सड़कों के पैच वर्क का काम पूरा हो जाएगा। साथ ही बदहाल सड़कें पूरी तरह से दुरुस्त हो जाएंगी।495 करोड़ की लागत से नई सड़कें बनाई जा रही हैं।अब कोटा शहर में कहीं भी खस्ताहाल सड़कें नहीं दिखेंगी और यह काम दीपावली से पहले पूरा हो जाएगा।

पंचायत प्रबंध समिति की ओर से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

कोटा। नेत्र शिविर में 300 मरीजों की जांच की गयी।संत कंवरराम सिंधी धर्मशाला पंचायत प्रबंध समिति की ओर से मंगलवार को नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजनकिया गया।

अध्यक्ष गिरधारी पंजवानी ने बताया कि शिविर में चिकित्सकों 300 से ज्यादा मरीजों की आंखों का परीक्षण कर परामर्श देने के बाद नि:शुल्क दवाई उपलब्ध करवाई। उन्होंने बताया कि शिविर में 60 मोतियाबंद के शिकार मरीजों का ऑपरेशन डॉ. सुधीर गुप्ता ने किया। जिन मरीजों का ऑपरेशन किया गया है उनके धर्मशाला में रहने व खाने की व्यवस्था की गई है। शिविर में मरीजों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण भी किया गया। इस दौरान संरक्षक लद्धाराम ग्वालानी, सचिव अर्जुन जयसिंघानी, सतपाल चांवला, आसनदान नैनवानी उपस्थित रहे।

महिला को पिलाया फिनायल, तेजाब डालने का प्रयास

जोधपुर। मधुबन हाउसिंग बोर्ड में किराए पर रहने वाली एक महिला को उसी के मित्र ने फिनायल पिला दिया और तेजाब डालने का प्रयास किया। महिला के चिल्लाने पर आस-पास के लोगों ने उसे छुड़ाया और अस्पताल में भर्ती कराया। भगत की कोठी थाना पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया। थानाधिकारी सुनील चारण ने बताया कि महिला को अपने मित्र के वाहन चोरी में लिफ्त होने का पता लगा। तब उसने मित्र को कमरे में आने से मना कर दिया। इस पर आरोपी ने 14 सितम्बर को वारदात को अंजाम दिया।

कोटा के नयापुरा थाना परिसर में आत्मदाह का प्रयास करने वाले राधेश्याम की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत

हिलव्यू समाचार

कोटा। नयापुरा थाना परिसर में आत्मदाह का प्रयास करने वाले गांवड़ी निवासी राधेश्याम मीणा ने मंगलवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। कोटा से गई पुलिस टीम अस्पताल में ही पोस्टमार्टम करवाएगी। उसके बाद उसे कोटा लाने की प्रकिया होगी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मील ने बताया कि राधेश्याम मीणा की अस्पताल में सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में तीन स्थानीय पार्षद सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों को कोर्ट ने सोमवार को जमानत भी मिल गई थी। पुलिस अब राधेश्याम द्वारा दी गई रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश करेगी। पुलिस ने मामले में कांग्रेस पार्षद हरिओम सुमन, हितेश शर्मा व अमित को गिरफ्तार किया गया था। तीनों की ओर से कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी पेश की गई थी। इसकी सोमवार को सुनवाई हुई थी। सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने तीनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

यह था मामला गौरतलब है कि शहर के नयापुरा थाना परिसर में 15 सितम्बर की रात गांवडी निवासी राधेश्याम मीणा ने स्वयं पर पेट्रोल डाल कर आग लगा ली थी। पुलिसकर्मियों ने उस पर बोरे व कम्बल डालकर आग बुझाई थी तथा उसे एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात को राधेश्याम मीणा को जयपुर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां से दिल्ली के लिए रैफर कर दिया गया था। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भर्ती राधेश्याम का उपचार चल रहा था। कल मंगलवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया।

52 अवैध निर्माण पर कार्रवाई के निर्देश

हेरिटेज के स्वरूप से छेड़छाड़ की तो सील किया जाएगा निर्माण

हिलव्यू समाचार

परकोटे में हेरिटेज के स्वरूप को बनाए रखने के लिए नगर निगम हेरिटेज बड़ा एक्शन लेने जा रहा है। परकोटे में हेरिटेज के स्वरूप के साथ छेड़छाड़ करने एवं अवैध निर्माण करने वालों पर प्रतिदिन प्रभावी निगरानी की जाएगी। जो भी अवैध निर्माण करेगा या हेरिटेज स्वरूप के साथ छेड़छाड़ करेगा, उसके विरुद्ध कार्यवाहीं करते हुए निर्माण कार्य को सीज किया जाएगा। नगर निगम हेरिटेज आयुक्त विश्राम मीना ने निगम की सतर्कता शाखा द्वारा चिन्हित 53 अवैध निर्माणों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने गुरुवार को सभी जोन उपायुक्तों, उपायुक्त सतर्कता एवं उपायुक्त राजस्व की बैठक लेकर निर्देश दिए। उपायुक्त सतर्कता को निर्देश दिए कि परकोटे क्षेत्र में सतर्कता दस्ता प्रतिदिन चोकड़ियों में दो-तीन बार दौरा करेंगे अगर कही भी अवैध निर्माण हो तो जोन उपायुक्त को सूचित करेंगे।

भाजपा के नेता रहे नदारद

भारतीय जनता पार्टी के शुरुआती दौर में पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत के समय से पार्टी की नींव को मजबूत करने में डॉ. मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सोमवार को सर्किट हाउस में भाजपा का कोई भी पदाधिकारी सांसद मीणा का स्वागत तो दूर मिलने तक नहीं पहुंचा।

खरीदशुदा संपत्ति को धोखाधड़ी कर पति-पत्नी ने हड़पे 17 लाख रुपए

कोर्ट ने पति-पत्नी सहित पाँच आरोपियों के ख़िलाफ़ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए

हिलव्यू समाचार

कोटा। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटा ने धोखाधड़ी के मामले में रामपुरा कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान करने के आदेश जारी किए।

कैथून रोड शिवाजी नगर निवासी फरियादी सुधीर कुमार ने अपने अधिवक्ता फूलचंद कहार के माध्यम से आरोपी रामपुरा निवासी खुशबू चितौड़ा, उसके पति कुंज बिहारी, कलालों का मोहल्ला कुन्हाड़ी निवासी महावीर सुवाल, बूंदी जिले के इंदरगढ़ निवासी गिर्राज मित्तल, उप पंजीयक प्रथम कोटा के विरुद्ध न्यायालय में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में न्यायालय में परिवाद पेश किया था।

प्रकरण के अनुसार परिवादी सुधीर कुमार ने 6 जनवरी 2020 को रामपुरा में एक गोदाम अपनी पत्नी प्रेम जैन के नाम मय छत के अधिकार सहित जरिए रजिस्टर्ड इकरारनामा द्वारा खरीदने का सौदा खुशबू चित्तौड़ा से 17 लाख रुपए को रजिस्टर्ड है। परिवादी ने 4 लाख रुपए खुशबू चित्तौड़ा को दिए। बाकी आगामी 2 वर्षों में 13 लाख रुपए दिए। अंत में संपत्ति की रजिस्ट्री के समय 3 लाख 50 हजार रुपए अदा करने की बात हुई, लेकिन आरोपी खुशबु व उसके पति ने रकम नहीं ली और आनाकानी करते रहे।

परिवादी को पता चला कि खुशबू ने उक्त संपत्ति पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक कोटा से लोन लिया हुआ है। इसका लगभग 45 लाख रुपए से अधिक बकाया है और सम्पत्ति के मूल कागज बैंक के पास ही है। 30 दिसंबर 2021 को बैंक ने परिवादी व उसके परिवार पर दबाब डालकर उक्त संपत्ति का ताला खुलवा कर अपने पजेशन में ले लिया। बैंक ने भरोसा दिलाया था कि लोन चुकने के बाद आरोपी खुशबू उनके नाम रजिस्ट्री करवाएगी। लेकिन बाद में पता चला कि खूशबू व उसके पति ने गुपचुप तरीके के में किया था। खूशबू इसी मकान में रहती है। उक्त सौदे के इकरारनामा का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयन कोटा में 6 जनवरी बैंक का लोन चुका दिया और परिवादी की खरीदशुदा संपत्ति को धोखाधड़ी कर आरोपी महावीर सुवालका व गिर्राज प्रसाद को ३० लाख रुपए में देकर रजिस्ट्री उनके नाम करवा दी। परिवादी द्वारा खरीदशुदा संपत्ति का सौदा अन्य को नहीं करने के लिए 8 जून 2020 को उप पंजीयक प्रथम कोटा को प्रार्थना पत्र दिया था।

उक्त संपत्ति में प्रथम फ्लोर को परिवादी द्वारा रजिस्टर्ड इकरारनामा से सौदा किए जाने की जानकारी महावीर सुवालका व गिर्राज प्रसाद मित्तल को पूर्व से ही थी। उसके बावजूद भी खुशबू चित्तौड़ा व उसके पति कुंज बिहारी तथा अरोपी महावीर सुवालका, गिर्राज प्रसाद मित्तल ने उप पंजीयक कोटा के साथ मिलकर षडयंत्र पूर्वक खरीदशुदा संपत्ति को हड़प लिया। इस मामले में न्यायालय के आदेश पर प्रकरण दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं।

हिलव्यू समाचार में विज्ञापन एवं ख़बरों के लिए सम्पर्क करें...

हरीश श्रीवास्तव
सह संपादक, छबड़ा
+9461846059, 7976561127

असलम रोमी पत्रकार
ब्यूरो चीफ कोटा
+91 99283 50279, 7976561127

साड़ी गाउन से ग्लैमरस लुक

अगर आप साड़ी पहनने की शौकीन हैं, लेकिन 6 गज की साड़ी पहनने और उसे मैनेज करने में असहज महसूस करती हैं, तो ट्राई करें ग्लैमरस साड़ी गाउन. साड़ी और गाउन के कम्बिनेशन से बना साड़ी गाउन काफी स्टाइलिश नजर आता है. इसे मैनेज करना भी बहुत आसान होता है.

पहनना और मैनेज करना आसान

एवरग्रीन और हमेशा फैशन में इन रहने वाले साड़ी गाउन को पहनना और मैनेज करना बहुत ही आसान है. चूंकि इस में प्लीट्स के साथ ही ब्लाउज और पल्लू भी अटैच्ड होता है, इसलिए इसे दूसरी ड्रेस की तरह आसानी से मिनटों में पहना जा सकता है और सब कुछ अटैच्ड होने की वजह से प्लीट्स या पल्लू खुलने का डर भी नहीं होता तथा यह आसानी से बॉडी पर सेट हो जाता है.

कैसे चुनें परफेक्ट वियर

साड़ी गाउन खरीदते वक्त मार्केट में आपको इसके पैटर्न, स्टाइल और फैब्रिक में कई तरह की वैराइटी देखने को मिलेगी. ऐसे में अगर अपने लिए परफेक्ट साड़ी गाउन खरीदना चाहते हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखें

पैटर्न

मार्केट में साड़ी गाउन की बहुत वेराइटी उपलब्ध होती हैं. धोती, पैंट स्टाइल से लेकर फिश कट, लहंगा से लेकर स्ट्रेट कट. ऐसे में साड़ी गाउन के पैटर्न का चुनाव अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखकर करें. ऐसा पैटर्न चुनें, जो आपकी बॉडी शेप पर सूट करे. जैसे अगर आपकी हाइट कम है, तो स्ट्रेट या फिश कट साड़ी गाउन खरीदें. इससे आप लंबी नजर आएंगी और अगर आपकी हाइट ज्यादा है, तो फ्लेयर्ड साड़ी गाउन खरीद सकती हैं.

ब्लाउज

साड़ी गाउन के ब्लाउज में भी काफी पैटर्न होते हैं जैसे वन शोल्डर, ऑफशोल्डर, स्लीवलेस, हाफस्लीव, फुलस्लीव, थ्रीफोर्थ स्लीव ब्लाउज आदि. इसके साथ ही नेकलाइन में भी डिफरेंट वेराइटी देखने को मिलती है जैसे राउंड, स्क्वेयर, ओवल, पैक नैकलाइन. ऐसे में पर्सनैलिटी को सूट करने वाले ब्लाउज के हिसाब से ही साड़ी गाउन का चुनाव करें.

डिजाइन

सिंपल एंड सोबर से लेकर सीक्वेंस, शीयर और एंब्रायडरी वर्क वाले साड़ी गाउन भी बाजार में आसानी से मिलते हैं. इनका चुनाव ओकेजन के अनुसार करें, जैसे शादी-ब्याह के खास मौके के लिए सीक्वेंस, शीयर या फिर एंब्रायडरी वाले हैवी वर्क का साड़ी गाउन खरीदें, तो डे पार्टी, गेटटुगेदर के लिए सिंपल और सोबर डिजाइन वाला साड़ी गाउन खरीदें.

कलर्स

लाइट से लेकर डार्क, ब्राइट से लेकर डल कलर्स में साड़ी गाउन के कई ऑप्शंस मिलेंगे. लेकिन चयन ऐसे शेड का करें, जो आपकी स्किनटोन को सूट करे. अगर आप गोरी हैं तो रेड, पिंक, गोल्ड, सिल्वर जैसे शेड्स का साड़ी गाउन खरीदें. अगर आपका रंग सांवला है तो लाइट या पेस्टल शेड्स का साड़ी गाउन ट्राई करें. कुछ गाउन ड्यूअल शेड, कंट्रास्ट कलर्स व मल्टी शेड्स में भी बनाए जाते हैं. इन्हें भी ट्राई किया जा सकता है.

फैब्रिक

नेट से लेकर सिल्क, ब्रोकेट से लेकर जॉर्जेट फैब्रिक में भी साड़ी गाउन उपलब्ध हैं. अलग-अलग फैब्रिक में इनका लुक भी काफी डिफरेंट नजर आता है. ऐसे में फेब्रिक का चुनाव साड़ी गाउन के लुक और मौसम को ध्यान में रखकर किया जा सकता है. वैसे फ्लो वाले फैब्रिक से बना साड़ी गाउन सबसे खूबसूरत नजर आता है. इसके साथ ही ब्लाउज के लिए ट्रांसपैरेंट फैब्रिक का सिलेक्शन भी साड़ी गाउन को आकर्षक लुक देता है.

FASHION जोन

लंबे बालों को कराते रहें ट्रिम

HAIR केयर

किसी के भी लंबे, काले और घने बाल देखने में दूसरों को खूबसूरत लगते हैं लेकिन लंबे बाल रखने वाली महिलाओं को उसकी देखभाल करने में उतनी ही ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है. लंबे बालों की देखभाल भी जरूरी है. क्योंकि अगर उनकी देखभाल में थोड़ी सी भी असावधानी बरती जाती है तो बाल झड़ने लगते हैं या सफेद होने लगते हैं और अगर एक बार बाल खराब होना शुरू हो जाते हैं तो उन्हें संभालना भी मुश्किल होता है.

★ लंबे बालों में कंघी के लिए ऐसे ब्रश का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर लंबे बालों के लिए ही बने होते हैं. ब्रश के ब्रिसल्स नर्म होने चाहिए.

★ बालों को ब्रश करने के लिए आगे की ओर झुके बालों को नीचे की ओर करके खड़े हो जाएं, उसके बाद गर्दन से नीचे की ओर ब्रश करें. फिर सीधे खड़े होकर अंदर की ओर से नीचे की दिशा में ब्रश करें और फिर बालों को ऊपर की ओर से कंघी करें. अंत में थोड़े-थोड़े बालों को लेकर अच्छी तरह कंघी करें.

★ कभी भी गीले बालों में कंघी न करें क्योंकि गीले होने पर बाल जड़ों से कमजोर होते हैं और अगर उनमें उस समय कंघी की जाए तो बालों के ज्यादा टूटने का खतरा रहता है.

★ लंबे बालों को सुखाने के लिए ड्रायर की बजाय उन्हें प्राकृतिक हवा में सुखाएं.

★ बालों को शैम्पू करने से पहले कंडीशनर लगाएं, उसके बाद शैम्पू करें.

★ लंबे बालों के लिए हर्बल शैम्पू का प्रयोग करें. बाल धोने के दौरान सूखे बालों पर सीधे हाथों में शैम्पू लेकर न लगाएं क्योंकि इससे सीधा शैम्पू के केमिकल्स बालों पर अपना प्रहार कर सकते हैं. शैम्पू को पहले थोड़े से पानी में घोल लें, उसके बाद इन्हें लगाएं ताकि शैम्पू बालों की जड़ों तक आसानी से पहुंच जाए और बालों पर इसका कोई बुरा असर न पड़े.

★ शैम्पू करने के दौरान अपने स्कैल्प की भी मालिश साथ-साथ करें ताकि जड़ से बालों की सफाई हो सके.

★ धूप में घर से बाहर निकलने के दौरान बालों की सही केयर करने के लिए उन्हें ढककर रखें. इसके लिए हैट या स्कार्फ का इस्तेमाल करें.

★ लंबे बाल होने का यह मतलब नहीं कि उन्हें कभी कटाया ही न जाए. बालों को थोड़े-थोड़े अंतराल पर ट्रिम कराते रहें ताकि उनकी ग्रोथ अच्छी हो.

★ सोते समय बाल अटकते ज्यादा हैं और इससे बालों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है, इसलिए सोते समय भी बालों को इस पोजीशन में रखें कि यह ज्यादा न उलझें.

★ यदि आपको सोने के दौरान बार-बार करवट बदलने की आदत हो तो इससे बाल भी कंफर्टेबल फील नहीं करते, इसलिए सोने के दौरान तकिये का कवर कॉटन या साटन का होना चाहिए ताकि बाल उन पर आसानी से फिसलते रहें.

★ लंबे बालों को सोते समय रबड़ से बांधकर न सोएं. उसकी बजाय पॉनीटेल बनाकर सोएं. बालों को यदि बांधना चाहें तो कपड़े की बैंड का इस्तेमाल करें.

टेंपल और पर्ल ज्वेलरी

फंक्शनल ज्वेलरी का चुनाव करना आसान नहीं होता. इस खास मौके पर रोजाना की तरह सिर्फ इयररिंग या नेकपीस पहनकर आप काम नहीं चला सकते. इसके अलावा लेटेस्ट ट्रेंड का भी ध्यान रखना पड़ता है.

SMART जोन

इसलिए टेंपल ज्वेलरी हमेशा डिमांड में रहती है. यह लहंगा चोली और साड़ी ही नहीं, बल्कि इंडोवेस्टर्न वियर पर भी काफी सूट करती है यानी एक बार खरीदकर आप इसे कई बार पहन सकते हैं. अगर आप लाइट या पेस्टल शेड की ड्रेस पहन रहे हैं, तो पर्ल ज्वेलरी को अपनी पहली पसंद बना सकते हैं. लाइट आउटफिट के साथ लाइट वेट पर्ल ज्वेलरी आपको रॉयल लुक देगी. व्हाइट और यलो के साथ कलरफुल पर्ल का चुनाव भी कर सकते हैं.

पोल्की

- पोल्की ज्वेलरी शादी-ब्याह के मौके के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जाती है. अनकट डायमंड से बनी यह ज्वेलरी लहंगा चोली के साथ ही साड़ी पर भी काफी खूबसूरत नजर आती है. पोल्की ज्वेलरी से बना चोकर काफी आकर्षक लुक देता है.

कुंदन

- कुंदन ज्वेलरी का भी एक अलग चार्म है. पोल्की ज्वेलरी के बाद इंडियन वेडिंग वियर के साथ ज्यादातर कुंदन ज्वेलरी पहनना पसंद किया जाता है. कुंदन ज्वेलरी हर ट्रेडिशनल वियर पर सूट करती है.

स्टोन

- सस्ती मगर अच्छी और एक ही नजर में दिल मोह लेने वाली स्टोन वेडिंग ज्वेलरी भी काफी आकर्षक नजर आती है.

डायमंड

- रिच लुक के लिए खास मौकों पर डायमंड ज्वेलरी पहन सकते हैं. यह जरूरी नहीं कि आप असली डायमंड ही पहनें, मार्केट में असली डायमंड की तरह दिखने वाली आर्टिफिशियल डायमंड ज्वेलरी भी उपलब्ध है. चाहें तो ये भी खरीद सकते हैं.

दीवारों से नहीं हटेगी नज़र

INTERIOR जोन

मॉस पेंटिंग

न्यू ट्रेंड पर गौर करें तो मॉस वॉल पेंटिंग भी सामने आई है. इस पैटर्न के तहत छोटे-छोटे बॉक्सेज में मॉस उगाई जाती हैं, जिसे बाद में पेंटिंग की तरह दीवार पर सजाते हैं. कंटेम्परेरी इंटीरियर थीम में इस तरह के डिजाइनर पीस बहुत पसंद किए जाते हैं. आप भी अपने घर की दीवारों के अनुसार इन्हें क्रिएट करवा सकते हैं.

वर्डिंग्स में संभव

वर्टिकल गार्डन को किसी भी डिजाइन में बनाया जा सकता है. ऐसे में वर्डिंग शेप कैसे पीछे रह सकती है. आप अपने घर को कुछ स्पेशल मैसेज के साथ भी मॉस से सजा सकते हैं. शब्दों के आकार में कटे बॉक्स में मॉस उगाई जा सकती है और उनसे वॉल को सजाया जा सकता है. यही नहीं, आप घर के बाहर की नेम प्लेट को भी मॉस से सजा सकते हैं.

वॉशरूम की बढ़ाएं रौनक

मॉडर्न होम थीम में वॉशरूम के इंटीरियर पर काफी ध्यान दिया जाने लगा है. इसके चलते वहां की वॉल्स पर भी विशेष डेकोरेशन किया जा रहा है. इसके जरिए वॉशरूम को नेचर से जोड़ा जा सकता है. एक टेक्निक के साथ वॉल्स पर मॉस उगाई जाती है. यही नहीं, मॉस के अलावा दूसरे इनडोर प्लांट्स भी उगाए जा सकते हैं.

प्लास्टिक ब्लॉक्स में प्लांटिंग

दीवार पर छोटे-छोटे प्लास्टिक ब्लॉक्स बनाकर भी प्लांट लगाए जा सकते हैं. दीवार पर लगाए गए इस तरह के प्लांट न सिर्फ आपके रूम की शोभा बढ़ाएंगे, बल्कि घर में हरियाली की रौनक भी बिखेरेंगे. इन ब्लॉक्स में आप अपनी पसंद के प्लांट्स लगा सकते हैं. इस तरह की प्लांटिंग लिविंग रूम के साथ-साथ बालकनी और पोर्च एरिया में भी अच्छी लगती है.

यदि आप इंटीरियर को कुछ खास लुक देना चाहते हैं तो मॉस वॉल से घर को सजा सकते हैं. इंडिया में मॉस वॉल को लेकर कई एक्सपेरिमेंट देखे जा रहे हैं. यह हर रूम और लोकेशन के हिसाब से बनाई जा सकती है. इसके जरिए आउटडोर के साथ-साथ इनडोर ब्यूटी भी बढ़ाई जा सकती है.

सेंट्रल वॉल को करें डेकोरेट

लिविंग रूम या फिर दूसरे रूम की सेंट्रल वॉल को भी वर्टिकल गार्डन से सजा सकते हैं. डिफरेंट तरह की मॉस को वॉल पर उगाया जा सकता है. उसे क्रिएटिव बनाने के लिए कुछ खास शेप भी दी जाती हैं, जो दिखने में प्रभावी नजर आती है. यहीं नहीं, आप पुरानी बॉटल्स के जरिए भी वर्टिकल बना सकते हैं.

छूमंतर हो जाएगा कब्ज़

HEALTH जोन

फास्ट फूड का ज्यादा सेवन, लगातार बैठे रहने और कम फाइबरयुक्त भोजन खाने की वजह से आजकल अधिकांश लोगों को कब्ज की शिकायत होती है. बच्चे भी इसका शिकार होते हैं. कब्ज होने पर शरीर में दिनभर सुस्ती छाई रहती है. इसकी वजह से जी घबराना, उल्टी होना, सिरदर्द जैसे लक्षण होने लगते हैं. पाचन अच्छा हो और पेट साफ होता रहे तो खाया-पिया ठीक से हजम होता है और शरीर को आहार से भी लाभ होता है. लेकिन कब्ज हो तो सब गड़बड़ हो जाता है. कब्ज यदि लगातार बनी रहे तो शरीर में टॉक्सिंस फैलाता है, जिससे कई रोग होते हैं. कब्ज से बचाव करने का सबसे पहला उपाय है, सुबह और शाम के समय फ्रेश होना. बच्चों को भी शुरू से ही सुबह और शाम दोनों समय फ्रेश होने की आदत डालनी चाहिए.

▲ सुबह उठकर एक-दो गिलास पानी पीना चाहिए. पानी में एक नींबू का रस मिला लें तो और भी उपयोगी रहेगा.

▲ आंवला चूर्ण एक छोटा चम्मच रात में सोते समय पानी या दूध के साथ फांकने से कब्ज दूर होती है. आंवला चूर्ण को शहद के साथ भी ले सकते हैं.

▲ सूखा आंवला 3-4 ग्राम रात को पानी में भिगो दें. सुबह मसलकर व छानकर इसका पानी पीने से कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है.

▲ ठंडे खाने और ठंडे पेय पदार्थों की बजाय गर्म का सेवन करें. गर्म खाना खाएं. खाने के साथ गर्म पानी पीएं और हरी सब्जियां जमकर खाएं.

▲ पका पपीता, संतरा, चीकू, अनार, अमरूद और मौसमी जैसे जल्दी पचने वाले फल खाएं.

फल का सेवन सुबह के समय खाली पेट करें. कच्चे की बजाय हमेशा पका केला खाएं, क्योंकि कच्चे केले से कब्ज बढ़ सकती है.

▲ सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीएं, इससे कब्ज दूर होती है.

▲ फाइबरयुक्त आहार लें, ताजे फल और सब्जियां कब्ज दूर करती हैं.

▲ कब्ज के लिए सोते समय हल्के गर्म दूध में अरंडी का तेल मिलाकर ले सकते हैं.

▲ इसबगोल की भूसी कब्ज के लिए फायदेमंद मानी जाती है. रात को सोते समय इसे दूध या पानी के साथ लिया जाए तो इससे कब्ज की समस्या समाप्त हो जाती है. नियमित व्यायाम करें और तला-भुना भोजन न खाएं.

आख़िर बच्चों को गुस्सा क्यों आता है

PARENTING जोन

आजकल के बच्चे स्कूल, ट्यूशन और मां के स्कूल को एकसाथ 'अटेंड' करते हैं. नींद कम लेते हैं, उनके खाने की सूची ठीक नहीं होती. इससे 'शुगर' कम हो जाती है जिससे गुस्सा आता है. उन्हें पढ़ाई अच्छी नहीं लगती. उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है. अपनी बात को प्रकट करने के लिए वे उतेजित हो जाते हैं. एस्थेमेटिक, एपिलेप्सी, डायबिटीज वाले बच्चों को गुस्सा अधिक आता है. वे डिप्रेशन के शिकार भी होते हैं. इसके अलावा अगर बच्चा कम नंबर लाए, फेल हो जाए या स्कूल में उसे किसी प्रकार के अपमान का सामना करना पड़े या शिक्षकों का व्यवहार ठीक न हो तो वह गुस्से के रूप में उसे बाहर निकालता है. इसलिए बच्चा जब चिड़चिड़ा हो गया हो, पढ़ाई पर ध्यान न दे रहा हो, बात-बात पर गुस्सा कर रहा हो, शांत रहने लगे, पहले जैसा व्यवहार न कर रहा हो या अचानक व्यवहार में बदलाव आ गया हो, वह बहुत अधिक सो रहा हो या उसे नींद नहीं आती हो, उसे भूख न लगे, दिनोंदिन उसका वजन कम होने लगे, दूसरे बच्चों से मारपीट करने लगे या फिर आक्रोश को अधिक देर तक मन में बनाए रखता हो तो ऐसे में डाक्टर की सलाह अवश्य लें.

यूं करें कंट्रोल

- जो माता-पिता बच्चों की बात सुनते हैं, उन बच्चों को गुस्सा कम आता है.
- जो बच्चे खेलकूद में भाग लेते हैं, वे शांत होते हैं.
- जिन बच्चों की नींद पूरी होती है, उनमें गुस्सा कम होता है.
- व्यायाम या आंसू के निकलने से गुस्सा कम हो जाता है.
- बच्चे के मानसिक और शारीरिक बदलाव को माता-पिता समझेंगे तो उन्हें उन पर विश्वास हो सकेगा, वे उग्र नहीं बनेंगे.

बढ़ाएं नजदीकियां

माता-पिता अपने बचपन को कभी अपने बच्चों से तुलना न करें. बच्चों पर विश्वास करना भी जरूरी है. बच्चों के आक्रोश को कम करने के लिए माता-पिता, दोस्त साथ मिलकर काम करेंगे तो परिणाम जल्दी मिलेगा. गुस्सा होने पर बच्चा केवल 'बैड' नहीं, 'सैड' भी हो सकता है. कोई बच्चा क्रिमिनल नहीं होता. बच्चे की मानसिक ताकत को बढ़ाने की आवश्यकता है. उनसे भावनात्मक संपर्क रखें ताकि वे किसी बुरी बात को भी बोलने की हिम्मत रखें. बच्चा अगर कुछ गलत करे तो डांटने के बजाय उसे करीब लाएं, गले लगाएं. अपने से दूर न करें. किसी भी गलत काम को खानदान का कलंक समझने के बजाय उससे बच्चे को निकालने की तरकीब सोचें. बच्चे में गुस्से की अधिकता की वजह कई बार माता-पिता भी होते हैं जो जाने-अनजाने में बच्चे की किसी भी इच्छा को तुरंत पूरी कर देते हैं. उन्हें रोने दें. उन्हें लगना चाहिए कि हर चीज जिसे वे मांगते हैं, उसके लिए धैर्य भी रखने की जरूरत है.

MONEY मैटर

ऑनलाइन शॉपिंग के साइड इफेक्ट्स

घर बैठे लैपटॉप, मोबाइल या फिर कंप्यूटर पर आराम से ऑनलाइन शॉपिंग करना जितना सुविधाजनक व आसान है, वहीं इसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी हैं, इसलिए शॉपिंग करते समय सावधानी बरतने की जरूरत होती है. अगर कोई सामान ऑनलाइन लिया हो और उसमें कोई त्रुटि हो तो ग्राहक तुरंत सेलर को पकड़ ही नहीं सकते क्योंकि वेबसाइट को इसकी कोई जानकारी नहीं होती. कई बार काफी कोशिशों के बाद भी वेबसाइट से कोई जवाब नहीं मिलता. ऐसे में प्रोडक्ट स्वीकारने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं होता. इसलिए ऑनलाइन शॉपिंग के लिए काफी सचेत रहना चाहिए. एक महत्त्वपूर्ण बात जान लेनी चाहिए कि ग्राहकों की शिकायत के लिए 'कंज्यूमर ग्रीविएंसेज बॉडी' है. यह उन ग्राहकों के लिए काम करती है जिन्हें अपना प्रोडक्ट मनमुताबिक नहीं मिलता है. हमें ग्राहकों के अधिकारों के बारे में जानकारी होनी चाहिए. भारत में 'जागो ग्राहक जागो' के नाम से कैंपेन भी चलाया गया था. भारत की तरह ग्राहक सेवा का विकसित देशों में भी बहुत अधिक महत्त्व है जहां हर शिकायत गंभीरतापूर्वक ली जाती है और लोग अपने अधिकारों के प्रति बहुत जागरूक हैं.

खरीदारी से पहले पोर्टल्स देखें

आजकल कई ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल्स हैं. खरीदारी से पहले इनके बारे में पूरी जानकारी लेनी चाहिए, जिससे वही चीज मिल जाए जिसके लिए पेमेंट किया है. आजकल ऑनलाइन शॉपिंग में सबको सुविधा दिखती है. पर भले ही आप पागल कर देने वाली भीड़ से दूर हैं, इसका मतलब यह नहीं कि किसी की भेदती नजरें आप पर नहीं हैं या आपकी मेहनत की कमाई पूर्णतः सुरक्षित है.

बेफिक्री नहीं चलेगी

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय कभी बेफिक्री की अवस्था में न रहें. अपने पैसे की सुरक्षा करना जानें. यदि आप वेबसाइट पर कुछ खरीदने में सहज नहीं हैं या आप पर ऑर्डर उसी समय देने के लिए प्रेशर दिया जा रहा हो तो संभल जाएं. इससे पहले कि आप अपने पेमेंट की जानकारी दें, चेक कर लें कि सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर ठीक है या नहीं. अच्छी कंपनियां स्पष्ट बताती हैं कि कैसे वे आपसे डेटा लेंगी और क्या करेंगी. अब कई वेबसील अप्रूवल या ट्रस्ट मार्क प्रोग्राम होते हैं जो आपकी जानकारी पर दिशानिर्देश देते हैं.

पर्सनल जानकारी देने से बचें

ऑनलाइन शॉपिंग के लिए क्रेडिट कार्ड ज्यादा सुरक्षित होते हैं, डेबिट कार्ड प्रयोग करने में नुकसान होने का डर रहता है.

- व्यक्तिगत जानकारी लेने वाले प्रश्नों से सावधान रहें. विश्वसनीय ऑनलाइन रिटेलर कभी भी अनावश्यक, व्यक्तिगत या आर्थिक जानकारी नहीं लेगा. आजकल स्मार्टफोन कंप्यूटर की तरह सब कुछ कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वे आपके डेस्कटॉप की तरह सुरक्षित हैं. अधिकतर फोन में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर नहीं होता है जो आपके कंप्यूटर में होता है. इसलिए अपराधियों के लिए आपके फोन से आपकी जानकारी लेना आसान होता है.

हिलव्यू समाचार

नेशनल

जयपुर
बुधवार, 21 सितम्बर 2022

एक नज़र

टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च

नई दिल्ली। म इंडिया अगले माह ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रहे टी20 वर्ल्ड कप में नई जर्सी में नजर आएगी। बीसीसीआई ने रविवार को मेगा इवेंट के लिए भारत की नई जर्सी लॉन्च कर दी है। टी20 विश्व कप 2022 के लिए चयन समिति ने सोमवार को ही 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया है। मौजूदा समय में भारतीय टीम जो जर्सी पहनती है वह नेवी ब्लू है। लेकिन इस बार भारतीय टीम की जर्सी का रंग ब्लू है।

अडानी बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर

फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स का आकलन

एजेंसी | नई दिल्ली

गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस बन गए हैं। अब दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट में एलन मस्क के बाद अब गौतम अडानी ही हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स में गौतम अडानी ने यह स्थान बर्नार्ड अर्नोल्ट को पछाड़कर हासिल किया है। हालांकि ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अभी वह तीसरे स्थान पर ही हैं।

फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक शुक्रवार दोपहर तक अडानी की दौलत में कुल 5.5 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका था। अब वह 155.7 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अरबपति नंबर दो हो गए हैं। उनके ऊपर यानी नंबर एक पोजीशन पर एलन मस्क हैं, जिनके पास 273.5 अरब डॉलर की संपत्ति है। अडानी के बाद तीसरे नंबर पर बर्नार्ड अर्नोल्ट 155.2 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। अगर रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी की बात करें तो वो इस लिस्ट में 92.6 अरब डॉलर के साथ आठवें नंबर पर हैं।

NIA के दो राज्यों में 40 स्थानों पर छापे, चार हिरासत में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरणने आतंकी कृत्यों को अंजाम देने और धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए कथित तौर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने से जुड़े एक मामले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ रविवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 40 स्थानों की तलाशी ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि तेलंगाना में 38 स्थानों और आंध्र प्रदेश में दो स्थानों पर की गई तलाशी के दौरान चार लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, दो खंजर और 8.31 लाख रुपए से अधिक नकदी सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। प्रवक्ता ने कहा कि तेलंगाना में 38 स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें सबसे अधिक 23 स्थानों पर निजामाबाद में, उसके बाद जगत्याल में सात, हैदराबाद में चार, निर्मल में दो और आदिलाबाद तथा करीमनगर जिलों में एक-एक स्थान पर छापेमारी की गई।

नामीबिया से आए मेहमान: 75 साल बाद देश के जंगल में दौड़े चीते

प्रधानमंत्री मोदी ने 3 चीते छोड़े कूनो अभयारण्य में

एजेंसी। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कूनो अभयारण्य में नामीबिया से आए आठ में से तीन चीतों को क्वारंटाइन बाड़े में छोड़कर एक बार फिर देश में चीता युग की शुरुआत कर दी है। शेष पांच चीते अन्य हस्तियों ने छोड़े। चीतों को छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री ने कैमरे से उनकी तस्वीरें ली, इसके बाद उन्होंने चीता मित्रों के साथ संवाद किया। इस दौरान उनका एक वीडियो संदेश प्रसारित हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि चीते हमारे मेहमान हैं, उनको देखने के लिए कुछ समय का धैर्य और रखना होगा।

अन्य हस्तियों ने छोड़े शेष पांच चीते

आप पर भरोसा इसलिए यहां छोड़े

इसके बाद उन्होंने कराहल में स्व-सहायता समूह के सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां चीते इसलिए छोड़े गए, क्योंकि मुझे आप पर भरोसा है और आप लोगों ने मेरे भरोसे को कभी नहीं तोड़ा है।

ऐसे पहुंचे कूनो

चीतों को नामीबिया से विशेष विमान से ग्वालियर लाया गया था और वहां से चीनूक हेलिकाप्टर के द्वारा कूनो पहुंचाया। 75 साल पहले वर्ष 1947 में देश में आखिरी बार चीता देखा गया था। कूनो अभयारण्य पहुंचने के बाद सभी 8 चीतों की जांच की गई। इस दौरान नामीबिया के एक्सपर्ट भी साथ थे।

8 चीतों में 2 सगे भाई

दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विवि में प्रो. ट्रोडिफ ने बताया कि भारत आए 8 चीतों में दो सगे भाई हैं। इनकी उम्र ढाई से साढ़े पांच साल के बीच है। चीते की औसत उम्र 12 साल होती है। छत्तीसगढ़ में कोरिया महाराजा ने 3 चीता शावकों का एक साथ शिकार किया था। फिर, 1952 में भारत सरकार ने चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया था।

प्रधानमंत्री शासन में निरंतरता को शायद ही कभी स्वीकार करते हैं। चीता प्रोजेक्ट के लिए 25 अप्रैल, 2010 को केपटाउन की मेरी यात्रा का ज़िक्र तक न होना इसका ताज़ा उदाहरण है। आज प्रधानमंत्री ने बेवजह का तमाशा खड़ा किया। यह राष्ट्रीय मुद्दों को दबाने और भारत जोड़ो यात्रा से ध्यान भटकाने का प्रयास है।

जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

आप को कुचलने की कोशिश कर रही है भाजपा: केजरीवाल

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वे भ्रष्टाचार से लड़ने के नाम पर आम आदमी पार्टी (आप) को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें गुजरात चुनाव में हार का डर है। केजरीवाल रविवार को आप के निर्वाचित प्रतिनिधियों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के मंत्रियों और नेताओं को मोदी सरकार भ्रष्टाचार के झूठे मामले में फंसाने की कोशिश कर रही है क्योंकि भाजपा गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता को पचा नहीं पा रही है।

प्रधानमंत्री की 'रेवड़ी संस्कृति' टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप की मुफ्त सुविधाओं की यह कहकर आलोचना की जा रही है कि लोगों को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने से देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी।

निशुल्क सुविधाएं आप की ताकत

केजरीवाल ने ईमानदार राजनीति, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए किए गए काम और निःशुल्क सुविधाओं को अपनी पार्टी की ताकत बताते हुए कहा कि जनता को ये चार चीजें बहुत पसंद आ रही हैं।

बीस राज्यों में पड़ चुके आप के बीज

10 साल के भीतर उनकी पार्टी के बीज 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब में यह बीज पेड़ बन चुका है और अब गुजरात में भी यही होने जा रहा है।

मीडिया को धमकी देने का आरोप

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आप के बढ़ते प्रभाव से इस कदर बौखला गई है कि प्रधानमंत्री के सलाहकार हिरेन जोशी ने कई टीवी चैनलों के मालिकों तथा उनके संपादकों को गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी देते हुए गुजरात में आप को कवरेज न देने को कहा है।

राघव चड्ढा होंगे गुजरात के सह-प्रभारी

अहमदाबाद। आप ने रविवार को अपने राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का राज्य सह-प्रभारी नियुक्त किया। इससे पहले केजरीवाल नीत 'आप' ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया था। पंजाब में इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव से पहले चड्ढा को पार्टी की ओर से राज्य मामलों का सह प्रभारी बनाया गया था। पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। आप ने पिछले 27 वर्षों से गुजरात की सत्ता पर काबिज भाजपा के मुकाबले खुद को मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर पेश किया है। चड्ढा ने कहा, मैं अपनी पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। गुजरात बदलाव चाहता है, गुजरात अच्छी शिक्षा-स्वास्थ्य चाहता है। गुजरात चाहता है केजरीवाल।

हर चुनाव से पहले यही नाटक: भाजपा

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का महिमामंडन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आप वही पुराना नाटक कर रही है जो वह प्रत्येक चुनाव से पहले करती रही है। भाजपा की यह टिप्पणी केजरीवाल द्वारा यह कहे जाने के कुछ घंटे बाद आई कि गुजरात में सत्ताधारी पार्टी बौखला गई है। केजरीवाल के आप नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गिरफ्तारी के लिए तैयार रहने के सुझाव पर भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री का साक्ष्यों के बढ़ते दबाव के कारण दागी साथियों के इस्तीफा देने से पहले उनके बचाव में उतरने का इतिहास रहा है। आप हिमाचल प्रदेश में बिखर गई और उत्तराखंड में इसके अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी, जबकि केजरीवाल ने इन दोनों पहाड़ी राज्यों में अपनी पार्टी की संभावनाओं के बारे में बड़े-बड़े दावे किए थे।

महिला आरक्षण पर बोले राकांपा प्रमुख

अभी उत्तर भारत एवं संसद की मानसिकता अनुकूल नहीं: पवार

एजेंसी | पुणे

राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि उत्तर भारत और संसद की मानसिकता लोकसभा या विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के अभी अनुकूल प्रतीत नहीं होती। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने पुणे चिकित्सक संघ की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बयान दिया।

इस कार्यक्रम में पवार और उनकी बेटी एवं लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले का साक्षात्कार लिया गया था। लोकसभा और सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रावधान करने वाले महिला आरक्षण विधेयक पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पवार ने कहा कि वह संसद में इस मुद्दे को तब से उठा रहे हैं, जब वह लोकसभा में कांग्रेस के सांसद थे।

पवार से पूछा गया था कि यह विधेयक अभी तक पारित नहीं हो पाया है, तो क्या यह दर्शाता है कि देश महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से अभी तैयार नहीं है।

कश्मीरी पंडितों का होगा शत-प्रतिशत पंजीकरण

जम्मू। कश्मीर में मतदाता सूची के विशेष सारांश संशोधन के साथ कश्मीरी पंडितों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए यहां अधिकारियों ने बूथ स्तर के प्रवासी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। निर्वाचन आयोग ने कश्मीरी प्रवासी फोटो मतदाता सूची के विशेष सारांश संशोधन के लिए पहले ही जम्मू, उधमपुर और दिल्ली में तीन सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (प्रवासी) नियुक्त किए हैं। अधिकारी ने कहा कि अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची के मौजूदा विशेष सारांश संशोधन और विभिन्न आईटी अनुप्रयोगों के बेहतर संचालन को लेकर जम्मू कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने अपने मुख्यालय में प्रवासी बीएलओ के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो की बात को लेकर बवाल

छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी | चंडीगढ़

हॉस्टल में रहने वाली एक छात्रा द्वारा कई अन्य छात्राओं का आपत्तिजनक वीडियो बनाए जाने की अफवाह को लेकर पंजाब के मोहाली स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया, जिसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को जांच के आदेश दिए। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने एक छात्रा को गिरफ्तार किया है, बाद में एकयुवक को भी पकड़ लिया गया। उसे पकडने पुलिस टीम हिमाचल प्रदेश भेजी गई थी।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार छात्रा का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है और किसी छात्रा के आत्महत्या की कोशिश करने का मामला सामने नहीं आया है और इस मामले में किसी की मौत नहीं हुई है। रात भर हुए प्रदर्शन के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के परिसर पहुंचीं पंजाब की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरप्रीत देव ने कहा कि ऐसा लगता है कि आरोपी छात्रा ने अपना एक वीडियो युवक के साथ साझा किया और किसी अन्य छात्रा का कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं मिला है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी उन खबरों को झूठी व निराधार बताकर खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि विश्वविद्यालय के छात्रावास में कई छात्राओं के वीडियो बनाए गए और सोशल मीडिया पर साझा किए गए।

पुलिस का दावा...

- आरोपी छात्रा ने अपना वीडियो एक युवक के साथ साझा किया था। अन्य छात्राओं को कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं मिला।
- कई छात्राओं के वीडियो बनाने को बताया निराधार। आरोपी छात्रा का मोबाइल जब्त

छात्रों ने लगाया अधिकारियों पर घटना को दबाने का आरोप

विश्वविद्यालय परिसर में हालांकि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने रविवार शाम को फिर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों में से कुछ ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों पर घटना को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस की मौजूदगी में हमें न्याय चाहिए जैसे नारे लगाए। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेक शील सोनी ने बताया कि कई छात्राओं का वीडियो बना कर लीक किए जाने की 'अफवाह' के बाद विश्वविद्यालय में शनिवार आधीरात के बाद प्रदर्शन हुआ।

राजू श्रीवास्तव का दिल्ली एम्स में निधन

नई दिल्ली। गजोधर भैया अपनी जिंदगी के मंच से उतर गए। सामने लोग बैठे रहे और काला पर्दा झूल गया। राजू श्रीवास्तव की बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें बनते-बनाते आखिरी खबर आ गई। बुधवार सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया। वे 58 साल थी। दिल्ली में ही 10 अगस्त को एक्सरसाइज करते उन्हें हार्ट अटैक आया था। उसके बाद से ही एम्स में भर्ती थे। इलाज में पता चला था कि दिल के एक हिस्से में 100% ब्लॉकेज थे।

हिलव्यू समाचार की ओर से राजू श्रीवास्तव को श्रद्धासुमन श्रद्धांजलि...

हिलव्यू समाचार

विविध

जयपुर
बुधवार, 21 सितम्बर 2022

एक नज़र

खनिज से बढ़ रहा है राजस्व

धूलखेड़ा-जीपिया ब्लॉक की 117 प्रतिशत प्रीमियम पर नीलामी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के आयरन ऑर (लोह अयस्क) माइनिंग ब्लॉक्स की अब प्रीमियम दरों पर नीलामी होने लगी है। भीलवाड़ा के धूलखेड़ा-जीपिया आयरन ऑर ब्लॉक की कंपोजिट लाइसेंस के रुप में रिजर्व प्राइस से 117 प्रतिशत प्रीमियम पर नीलामी हुई है। इसमें कंपोजिट लाइसेंस के अनुसार संबंधित लाइसेंसधारी द्वारा खनिज के अनुमानित भण्डार की खोज का कार्य किया जाएगा व उसके बाद खनन पट्टा जारी होगा। इस ब्लॉक से सरकार को रायल्टी के अतिरिक्त 117 प्रतिशत राशि प्रीमियम के रुप में मिलेगी। इससे पहले इसी वित्तीय वर्ष में जयपुर के बागावास ब्लॉक की आयरन ऑर माइनिंग ब्लॉक की ई नीलामी रिजर्व प्राइस से 452 प्रतिशत अधिक राशि में हुई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल द्वारा माइनिंग ब्लॉक्स की तैयारी से लेकर नीलामी प्रक्रिया तक की नियमित समीक्षा की जा रही है। साथ ही अवैध खनन पर प्रभावी रोक व वैध खनन को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक माइनिंग ब्लॉक्स तैयार कर पारदर्शी व प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर नीलामी के प्रयासों का परिणाम है कि प्रीमियम दरों पर नीलामी होने लगी है।

ई-पोर्टल से नीलामी तो बढ़ी प्रतिस्पर्धा

माइंस विभाग द्वारा माइनिंग ब्लॉक्स तैयार करने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार व भारत सरकार के ई-पोर्टल से नीलामी से अधिक प्रतिस्पर्धा में ब्लॉक्स की नीलामी होने लगी है। भीलवाड़ा के 8.88 वर्ग किलोमीटर में धूलखेड़ा-जीपिया आयरन ऑर ब्लॉक में 30.40 मिलियन टन आयरन ऑर के भण्डार का आरंभिक अनुमान के साथ कंपोजिट लाइसेंस की रिजर्व प्राइस 22.5 प्रतिशत रखते हुए नीलामी प्रक्रिया आरंभ की गई है।

सुगंधा शाखा द्वारा सेनेटरी नेपकिन वितरित किए

कोटा (हिलव्यू समाचार)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति सुगंधा शाखा द्वारा महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए सेनेटरी नैपकिन दिए गए। अध्यक्ष रेखा शारदा सचिव अंजना शारदा ने बताया रंगबाड़ी स्थित अंबेडकर कच्ची बस्ती में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चिकित्सा प्रकोष्ठ भाजपा राजस्थान के डॉ आर बी गुप्ता गुप्ता एवम स्थानीय पार्षद भानुप्रताप सिंह के सानिध्य में महिलाओं एवं किशोर युवतियों को सेनेटरी नैपकिन वितरित किए। यह कार्य शाखा सदस्य कुसुम मूंदड़ा के सहयोग से संपन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष नीलम तापड़िया ने बताया कि महिलाओं में एवं किशोरियों में मासिक धर्म के समय साफ सफाई का अच्छे से ध्यान नहीं रखने की वजह से कई बीमारियां पैदा हो जाती है जिन से बचाव के लिए सुव्यवस्थित सेनेटरी नैपकिन लेने की बहुत जरूरत है जिससे कई प्रकार की बीमारियों से राहत मिल सकती है। कोषाध्यक्ष रेखा सोनी सहित रचना मंत्री रीमा लखोटिया रमा लखोटिया सविता सिंह सोनल मंत्री रानी न्याति ममता विजय आदि ने इस प्रोजेक्ट में सहयोग किया।

लम्पी स्किन डिजीज और गौवंश के संरक्षण के लिये भाजपा का कांग्रेस सरकार के ख़िलाफ़ विशाल विरोध प्रदर्शन

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित सभी भाजपा, सांसदों व विधायकों ने कांग्रेस सरकार के ख़िलाफ़ मुखरता से उठाई आवाज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में लंपी स्किन डिजीज से हो रही गायों की मौत, गोवंश की स्वास्थ्य सुरक्षा, वैक्सीनेशन, दवाई एवं इलाज, बढ़ी बिजली दर एवं बिजली कटौती, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था, किसान कर्ज माफ़ी इत्यादि जनहित के मुद्दों को लेकर राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व व आह्वान पर जयपुर में भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन किया गया।

डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर विधानसभा की ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशाल संख्या में कूच किया, जहां बाइस गोदाम सर्किल से पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया, इस दौरान पुलिस से तीखी झड़प में काफी कार्यकर्ताओं को चोटें आई।

सतीश पूनियां ने कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स से नीचे धकेल दिया, जिससे उनके पैर और जबड़े में चोट आई। पुलिस के साथ झड़प में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित काफी कार्यकर्ताओं को भी चोटें आईं।

भाजपा के विशाल प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां,पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी,सहित भाजपा पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेशाध्यक्ष, सांसद एवं विधायक सहित राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामीमहिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा,भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया,उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने मुखरता से आवाज़ उठाई और वॉक आउट कर दिया।

लम्पी बीमारी से जिन पशुपालकों के गौवंश की मौत हुई है, प्रत्येक पशुपालक को राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रूपये का मुआवजा दिया जाए। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार गायों के प्रति संवेदनहीन है, लम्पी के उपचार के लिए इन्होंने ना तो कोई एक्शन प्लान बनाया है, ना कोई टास्क फोर्स का गठन किया है, इलाज, वैक्सीनेशन और दवाइयों की राज्य सरकार के स्तर पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे गायें तड़प-तड़प कर मर रही हैं और अशोक गहलोत सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने और गांधी खानदान को खुश करने में ही व्यस्त हैं, उनका प्रदेश की जनता और गायों के संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है। लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने का मुददा हम विपक्ष के नाते सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा के हम सभी विधायक मुखरता के साथ लम्पी का मुददा उठा रहे हैं। जनहित के इन मुद्दों को लेकर जयपुर में आंदोलन का आगाज हुआ है, आगामी दिनों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होंगे।

- सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान

गौ माता का जो तिरस्कार कांग्रेस कर रही है वह निंदनीय है। लंपी वायरस से दिन रात गायें दम तोड़ रहीं हैं और सरकार चैन की नींद सोई है? पेट्रोल,डीज़ल महंगा है। महिला उत्पीड़न पर कोई नियंत्रण नहीं। युवा बेरोज़गार है। महंगाई आसमान छू रही है। कांग्रेस ने जनता को त्रस्त कर दिया भाजपा जनता की सेवा के लिये है और उसके हक़ों के लिए आज सड़क पर उतर आई है।

अर्पिता माथुर, अधिवक्ता राज.उच्च न्यायालय एवं जिला विधि प्रकोष्ठ सहसंयोजक बीजेपी, जयपुर

कांग्रेस सरकार की लापरवाही का सशक्त उदाहरण है लंपी वायरस। न उनकी दवाई का इंतज़ाम है न रख-रखाव का। यह हिन्दू विरोधी सरकार है। अपराध बढ़ रहे हैं लेकिन कांग्रेस के नियंत्रण से सब बाहर है इसे सत्ता में रहने का कोई हक़ नहीं। किसान परेशान हैं, युवा बेरोज़गार हैं।

रेखा राठौड़, जिलामंत्री एवं पार्षद वार्ड नं.47 बीजेपी जयपुर

मुद्दे तो बहुत सारे हैं और सभी मुद्दे पीड़ादायक कष्टदायक हैं। बीजेपी का विशाल विरोध प्रदर्शन इन सभी मुद्दों को लेकर है। यह महिला विरोधी सरकार है बल्कि जनता विरोधी सरकार है। इनकी कार्यनीति में महिला सशक्तिकरण का कोई एजेंडा ही नहीं। आरपीएससी हो या रीट पेपर लीक हो रहे हैं सरकार का कहीं नियंत्रण नहीं।

अरुणा टांक, पूर्व उपाध्यक्ष, महिलामोर्चा बीजेपी,जयपुर

शहर की प्रथम प्रतिनिधि मुनेश गुर्जर लंपी वायरस से गायों को बचाने के उपाय ढूँढने के बजाए ढोंग कर रहीं हैं।चप्पल छोड़ रही हैं क्या यह कार्यनीति है कांग्रेस प्रतिनिधियों की? लंपी वायरस बेरोज़गारी,भ्रष्टाचार, महंगाई इन सब कारणों से देश से कांग्रेस का सफाया होता जा रहा है।

कविता शर्मा, मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा, बीजेपी जयपुर

इस दौरान लंपी वायरस से गाएँ दम तोड़ रही हैं और कांग्रेस सो रही हैं? उसकी नींद उड़ाने के लिए हल्ला बोल किया गया है और महिला उत्पीड़न की अगर बात करें तो केंद्र ने कई योजनाएँ महिला सशक्तिकरण की चलाई है जिसे राजस्थान कांग्रेस पार्टी राजस्थान राज्य में लागू क्यों नहीं करती।

अमरावती शर्मा, जिला महामंत्री, महिला मोर्चा,बीजेपी जयपुर

कांग्रेस के ख़िलाफ़ सिर्फ़ शिक़ायतें ही शिक़ायतें हैं। लंपी वायरस से पीड़ित गायों में उनकी कांग्रेस की लापरवाही निंदनीय व सोचनीय है। एक तरफ़ गायों को हम माँ मानते हैं और एक तरफ़ ये माएँ आये दिन दम तोड़ रहीं हैं यह कांग्रेस सरकार के लिए बेहद शर्म की बात होनी चाहिए।

अनुराधा माहेश्वरी, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष बीजेपी राजस्थान

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

जनप्रतिनिधि और अफसरों से भी किया टीबी मरीजों को गोद लेने का आह्वान

- राज्यपाल बने निक्षय मित्र
- देश से 2025 तक टीबी की बीमारी को मिटाने के लिए सभी संकल्प लें

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदेश के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वैच्छिक संगठनों और आमजन से निक्षय मित्र के तौर पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में जुड़कर अधिकाधिक टीबी मरीजों को गोद लेने की अपील की है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन के लिए शुक्रवार को राजभवन में बुलाई बैठक में स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी (क्षय) रोगियों को गोद लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राजभवन में भी शुक्रवार से टीबी उन्मूलन प्रकोष्ठ ने सक्रिय रूप में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

टीबी उन्मूलन के लिए रणनीति बनाकर कार्य करने की जरूरतः राज्यपाल ने कहा कि विश्व में टीबी उन्मूलन के लिए वर्ष 2030 का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने 2025 तक टीबी की बीमारी को हराने का संकल्प लिया है। इसी के अनुरूप राजस्थान में भी हमें रणनीति बनाकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि टीबी रोग उन्मूलन के कार्यों के साथ-साथ समुचित पोषाहार के लिए भी हमें प्रतिबद्ध होकर कार्य करना होगा।

इस साल 1 लाख 22 हजार टीबी मरीज चिह्नित

स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने क्षय रोग उन्मूलन के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। राज्य क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. विनोद गर्ग ने बताया कि राज्य में इस वर्ष अब तक एक लाख 22 हजार टीबी मरीज चिन्हित किए गए हैं।

लक्ष्य को करना होगा हासिल

राज्यपाल ने कहा कि टीबी सिर्फ एक शारीरिक रोग ही नहीं है, बल्कि यह मानसिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी हर तरह से मरीज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति में हीनता भाव को समाप्त करते हुए उसे मानसिक संबल देने के लिए सभी स्तरों पर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि टीबी की बीमारी गरीब-अमीर, स्त्री-पुरुष और किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को हो सकती है, इसलिए हमें भी साथ मिलकर टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प लेना होगा।

ऊर्जा विभाग की बैठक

दीपावली पर बत्ती नहीं हो गुल, अन्य प्रदेशों से बिजली खरीद की तैयारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दीपावली नजदीक आने और तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए अक्टूबर में प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार ने अन्य प्रदेशों से बिजली की खरीद की तैयारी शुरू कर दी है। बिजली खपत के अनुमान के हिसाब से करीब 2180 मेगावाट बिजली पंजाब, गुजरात और उत्तर-प्रदेश से खरीदी जा सकती है। प्रदेश को छत्तीसगढ़ की खान से प्राप्त होने वाले कोयले की आपूर्ति वहां के स्थानीय आंदोलन के कारण बंद है। राजस्थान उत्पादन निगम को मिलने वाले कोयले में 9 रैक्स प्रतिदिन की कमी आई है। यह कमी विद्युत उत्पादन को प्राप्त होने वाले कुल कोयले की लगभग 40 % है।

गुजरात व यूपी से की जाएगी खरीद

प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष डिस्कॉम्स भास्कर ए. सावंत ने बताया कि कोस्टल गुजरात पॉवर लिमिटेड से अनुबंधित 380 मेगावाट बिजली आपूर्ति पुनः आरम्भ करने के लिए भारत सरकार द्वारा तय दर पर बिजली लेने का निर्णय किया गया। वहीं यूपी की बिजली कंपनियों से प्राप्त पॉवर बैंकिंग प्रस्ताव के अनुसार नवम्बर से मार्च, 2023 तक रोजाना 1500 मेगावाट तक बिजली लेने के लिए उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन से वार्ता कर अंतिम रूप दिया गया।

सृष्टि रो डांडिया सीजन-7 का आयोजन 25 सितम्बर को

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। सृष्टि दी विमन्स क्लब की ओर से सृष्टि रो डांडिया सीजन-7 आगामी डांडिया इवेंट के लिए अल्बर्ट हाल पर एक प्रोमो शूट का आयोजन किया गया।जिसमें 300 प्रतिभागियो ने भाग लिया। क्लब की फाउंडर डायरेक्टर मधु सोनी ने बताया कि आगामी नवरात्रि में सृष्टि क्लब द्वारा भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन 25 सितंबर को न्यू सांगानेर मानसरोवर में किया जायेगा जिसकी वर्कशाप जयपुर के विभिन्न सेंटर्स पर ब्रांड कोरियोग्राफर संजीव चौधरी व ममता हिंगोनिया, मनोज ईडीवाल द्वारा ली जायेगी एवं मंच संचालन दूरदर्शन के ब्रांड ऐंकर कुलदीप गुप्ता द्वारा किया जायेगा जयपुर में पहली बार इस अनोखे डांडिया प्रोमो शूट में हेमलता यादव, कल्पना शर्मा, अंशुल पारीक, योगिता अग्रवाल, नीरू यादव, अन्नया टिंकर, अनीता चौधरी, छवि अग्रवाल, इंदु सोनी, पूनम सैनी,आभा बाढ़धार, चंद्रकांता विजय, मेघमाला, नेहल अग्रवाल व क्लब की संरक्षक निशा सोनी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, एडवाईजर ब्रजेश पंवार व सभी सदस्यों का सहयोग रहा। ब्रांड कोरियोग्राफर संजीव चौधरी के निर्देशन में विडियो शूट कराया गया। साथ ही देश विदेशी से पधारे पावणे भी इसमें शामिल हुए।

पटरी पर लौटेगी शाही ट्रेन

पैलेस ऑन व्हील ट्रेन का ट्रायल रन 28 सितंबर को, राजधानी जयपुर से होगी शुरुआत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित विश्व प्रसिद्ध शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील जल्द पटरी पर लौटेगी। इस शाही रेलगाड़ी का 28 सितंबर को ट्रायल रन होगा। ट्रेन के संचालन को लेकर विभाग ने अपनी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है।राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि 28 सितंबर को शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील पटरियों पर दौड़ेगी।

ट्रेन का ट्रायल रन जयपुर से प्रारंभ होकर सवाई माधोपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, उदयपुर,अजमेर होते हुए जयपुर को समाप्त होगा। ट्रैन के ट्रायल रन में राजस्थान पर्यटन विभाग के अधिकारी, रेलवे के अधिकारी और तकनीकी टीम रेलगाड़ी की सिक्योरिटी, खानपान, आतिथ्य सत्कार सुख सुविधाओं सहित समस्त व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। राठौड़ ने बताया कि रेलवे मंत्रालय ने भारत गौरव ट्रेन पॉलिसी के अंतर्गत पैलेस ऑन व्हील चलाने की अनुमति दी है। प्रथम 3 माह तक निगम की ट्रेन का संचालन किया जाएगा उसके बाद ट्रेन को ओ एंड एम मॉडल पर निजी कंपनी को भी दिया जा सकता है।

50 से अधिक केबिन बुक

निगम अध्यक्ष ने बताया कि शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील का पहला टूर 12 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। ट्रेन की अभी तक 50 से अधिक केबिन बुकिंग हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पैलेस ऑन व्हील को पटरी पर दौड़ाने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी अति उत्साहित है। पैलेस ऑन व्हील की साज-सज्जा आधुनिकरण एवं सौंदर्य करण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि निगम द्वारा शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील का संचालन 1982 से किया जा रहा है। साथ ही यह ट्रेन 12 अक्टूबर से नियमित टूर करेगी। उल्लेखनीय है कि पैलेस ऑन व्हील रेलगाड़ी का नाम विश्व की सबसे अधिक लग्जरी ट्रेन में शुमार है।

कोरोनाकाल में थम गए थे पहिए

कोरोना काल में इस शाही ट्रेन के पहिए रूक गए थे। आरटीडीसी चेयरमैन राठौड़ ने इस लेकर नई दिल्ली में रेल मंत्री से चर्चा करके ट्रेन के फिर से पटरी पर लाने का मार्ग प्रशस्त किया। ट्रेन के फेरे में बूंदी को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा भारतीय रेल को चुकाए जाने वाले पैसे को भी किश्तों में किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)